डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/ म.प्र./ मन्दसौर/ 122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 202 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | गुरुवार 08 मई 2025 | मूल्य 2 रुपया

फंदे पर लटके मिले दंपती

चार महीने पहले हुई थी कोर्ट मैरिज, देर रात सोए थे, सुबह नहीं खोला दरवाजा

रतलाम, 07 मई गुरु एक्सप्रेस। नामली थाना क्षेत्र के ग्राम पंचेड़ में बुधवार सुबह एक नवविवाहित जोड़ा फांसी के फंदे पर लटका मिला। गांव के जितेंद्र बागरी और उसकी पत्नी दुर्गा के शव उनके कच्चे मकान में फंदे से लटके मिले। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण एसडीओपी किशोर पाटनवाला सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मजदूरी करने वाले जितेंद्र की शादी दुर्गा से मात्र चार महीने पहले ही हुई थी। पुलिस घटना के कारणों की जांच कर रही है और दोनों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए रतलाम मेडिकल कॉलेज भेजा गया।

परिजनों ने बताया कि रात को दोनों करीब 12 बजे सोए थे। अंदर से दरवाजा लगा हुआ था। सुबह जब उठे नहीं तो पिता अंबाराम ने जाकर दरवाजा खटखटाया लेकिन, अंदर से कोई जवाब नहीं आया। तब घर के अन्य सदस्य पहुंचे। धक्का देकर दरवाजा खोला। दोनों अंदर छोटे कमरे में बांस की बल्ली पर फांसी के फंदे पर लटके थे। फिर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस के आने से पहले ही परिजनों ने दोनों के शव नीचे उतार लिए। सूचना पर रतलाम ग्रामीण एसडीओपी किशोर पाटनवाला के साथ नामली थाना प्रभारी पातीराम डावरे और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। पिता अंबाराम ने पुलिस को बताया बेटे ने चार माह पहले कोर्ट मैरिज की थी। बहू की यह दूसरी शादी थी, इससे पहले पूर्व पति की मौत हो चुकी है, उसके बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है। बहू नागदा की रहने वाली है, उसके माता पिता नहीं है। वह अपने काका के पास रहती थी। ग्रामीण एसडीओपी किशोर पाटनवाला ने बताया सुबह सूचना मिलने पर नामली टीआई समेत मौके पर पहुंचे थे, मृतक की पत्नी की दूसरी शादी थी। सारे एंगल से जांच की जा रही है।

ट्रैक्टर-बाइक की भिड़ंत में दंपति की मौत, बेटी घायल

मंदसौर, 07 मई गुरु एक्सप्रेस। सीतामऊ थाना क्षेत्र के लदुना में ट्रैक्टर और मोटरसाइकिल की भिड़ंत में बाईक सवार दंपति की मौत हो गई, जबकि बेटी घायल है। दंपती बेटी के साथ अपने बेटे के लिए लड़की देखने गांव जा रहे थे। बुधवार दोपहर साबाखेड़ा निवासी पन्नालाल, पत्नी पुष्पा और बेटी मीनाक्षी दलावदा गांव जा रहे थे। तभी ग्राम लदुना-दमाखेड़ी के नजदीक सामने से आ रहे बिना नम्बर के ट्रैक्टर से भिड़त हो गई, जिसमें पति-पत्नी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि, उनकी बेटी मीनाक्षी घायल बताई जा रही है। सीतामऊपुलिस के मुताबिक ट्रैक्टर को जब्त कर लिया गया है। मृतकों को सीतामऊ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया तो बेटी का इलाज मंदसौर के बड़े अस्पताल में जारी है। शाम को दंपति के शवों पीएम कर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

डेढ़ साल से प्रभारी के भरोसे...

कंट्रोल से बाहर हुआ परिवहन विभाग

लेटलतीफी का आलम बरकरार, आमजन परेशान

मंदसौर, 07 मई गुरु एक्सप्रेस। जनता से सीधे तौर पर संपर्क रहने वाले विभागों में से एक जिला परिवहन विभाग की स्थिति सबसे ज्यादा खराब नजर आ रही है। यहां लंबे समय से अनियमितताओं का दौर जारी है। लेन-देन और भ्रष्टाचार के आरोप तो लगातार विभाग के अधिकारियों पर लगते आ रहे हैं। लेकिन, आम लोगों की परेशानी यहां कम नहीं हो रही। शासन ने सुबह दस बजे कार्यालय पहुंचने के सख्त निर्देश जारी किए। इसका पालन लगभग सभी विभाग कर रहे हैं। लेकिन, डेढ़ साल से प्रभारी के भरोसे चल रहे अधिकारी का विभाग में अधिनस्थ कर्मचारियों पर कंट्रोल ही नहीं है।

विभाग में दोपहर तक सन्नाटा.... खाली कुर्सियां... अधिकांश कमरों में ताला... यह कहानी है जिला परिवहन विभाग कार्यालय की। अगर कभी भी बड़े अधिकारी यहां औचक निरीक्षण करने आ जाएं तो हकीकत से खुद रूबरू हो जाएंगे। शासन द्वारा निर्धारित ऑफिस टाइम में भी स्टाफ नहीं मिल पाता। नतीजतन गरोठ, भानपुरा समेत दूरदराज से पहुंचे आमजन भटकते रहते हैं। जवाब देने के लिए भी कोई जिम्मेदार नहीं मिलता यही वजह है कि लाइसेंस-लर्निंग, रजिस्ट्रेशन, परमिट, फिटनेस नवीनीकरण जैसे 12 से ज्यादा कामों की पेंडेंसी फाइलों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

दरअसल 30 सितंबर 2024 की शाम से ही मंदसौर समेत प्रदेश के सभी जिलों में परिवहन कार्यालयों में स्मार्ट चिप कंपनी ने काम बंद कर दिया था। मंदसौर कार्यालय में भी कंपनी का 07 सदस्यीय स्टाफ काम कर रहा था। जिन्हें हटा दिया गया। वर्तमान में 03 सदस्यीय स्टाफ के जिम्मे ही निरीक्षण, मीटिंग अटेंड करना, जरूरी परमिशन, सत्यापन समेत सभी तरह के काम हैं। इसी को आधार बनाकर महीनों से विभाग ने बस-ट्रक समेत स्कूली वाहनों की चेकिंग का अभियान तक नहीं चलाया।

स्टॉफ गंभीर नहीं...

जिला परिवहन विभाग का प्रभार वीरेंद्र यादव के पास है। वीरेंद्र यादव लंबे समय से आरोपो के घेरे में हैं। इसके बाद भी डेढ़ साल से एक अधिकारी जिला परिवहन विभाग को नहीं मिल पाया है। प्रभारी अधिकारी होने से स्टाफ गंभीर नहीं है। प्रभार वीरेंद्रकुमार यादव के पास है। इसी तरह क्लर्क में आरआर शिंदे, पूजा मुकाती व नई भर्ती में अमन प्रजापत ही हैं। विभाग में एक लीगल और प्रायवेट प्यून है। यहां करीब डेढ़ साल से फुल फ्लैश अधिकारी का पद रिक्त है। प्रभारी अधिकारी भी जनवरी 2026 में रिटायर्ड होने वाले है। इसलिए विभाग से जुड़े लोग भी यही कहते नजर आते है कि हमारे साब तो अब 'खेंचो खाओ हाथ मत आओ' की तर्ज पर केवल आमदनी की चिंता में लगे रहते है।

जिले में 14 शोरूम संचालित...

जिले में वाहन कंपनियो के 14 शोरूम संचालित हैं। वाहनों के खरीदार डीलर्स शोरूम से लेकर विभागस्तर तक दस्तावेजों के लिए आए दिन संपर्क करते हैं। इसकी वजह काम में देरी होना है। विष्णु कुमावत का कहना लाइसेंस बनवाने कार्यालय में गए थे। लेकिन कार्यालय के कमरो पर ताला लगा था। कोई जवाब देने वाला नहीं था। कमलल सिंह का कहना है कि विभाग में कर्मचारी नहीं है। भटकना पड़ता है। यहां तो पूछताछ कक्ष से लेकर अधिकांश कमरों में ताले लगे रहते हैं।

मंदसौर मेडिकल कॉलेज भवन निर्माण में दिखी कमियां

सीतामऊ अस्पताल की बिल्डिंग पर भी उठे सवाल, लोकनिर्माण मंत्री ने दिए ठेकेदारों पर कार्रवाई के निर्देश

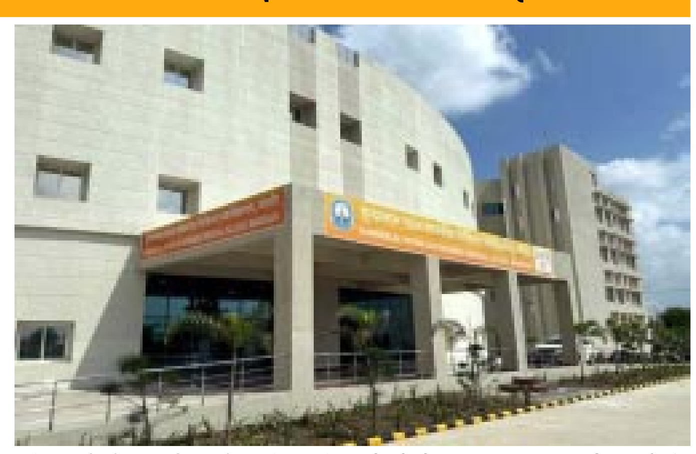

भोपाल, 07 मई गुरु एक्सप्रेस। सुंदरलाल पटवा मेडिकल कॉलेज भवन और सीतामऊ में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन निर्माण के समय से ही अनियमितताओं के आरोप लग रहे थे। आखिरकार निरीक्षण के दौरान यहां निर्माण कार्य की गुणवत्ता में कमी और लापरवाही दिखी। इसके बाद लोक निर्माण मंत्री राकेशसिंह ने अधिकारियों को ठेकेदारों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए है। दरअसल लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह के निर्देश पर प्रदेश में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुधार के लिये माह में दो बार औचक निरीक्षण का अभियान चलाया रहा है। निरीक्षण की कार्य योजना के अंतर्गत 07 मुख्य अभियंताओं की टीमों ने प्रदेश के विदिशा, छिंदवाड़ा, दतिया, इंदौर, मंदसौर, सागर और अनुपपुर सहित अन्य जिलों में कुल 35 निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण कार्य रेंडम आधार पर चयनित परियोजनाओं पर किया गया, जिसमें लोक निर्माण विभाग, पीआईयू, म.प्र. सड़क विकास निगम, भवन विकास निगम एवं राष्ट्रीय राजमार्ग से संबंधित कार्य शामिल थे।

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने औचक निरीक्षण की समीक्षा बैठक में विभागीय कार्यों की गहन समीक्षा की। बैठक में मंत्री श्री सिंह ने निरीक्षण के दौरान पाई गई अनियमितताओं पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मंदसौर जिले में लोक निर्माण विभाग (भवन) के नवीन चिकित्सा महाविद्यालय के कार्य में कमी पाए जाने के कारण संबंधित कार्यपालन यंत्री (भवन) एवं ठेकेदार मेसर्स जे.पी. स्ट्रक्चर्स प्रायवेट लिमिटेड राजकोट (गुजरात) के विरुद्ध कार्रवाई करने के लिये मुख्य अभियंता (भवन) को निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त मंदसौर जिले में भवन विकास निगम के अंतर्गत सीतामऊ सीएचसी (30 से 50 बिस्तरों वाले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र) के कार्य में फिनिशिंग एवं गुणवत्ता की कमी के कारण संबंधित डिवीजनल मैनेजर, ठेकेदार मेसर्स ओम कंस्ट्रक्शन कंपनी सूरत एवं कंसल्टेंट एल.एन. मालवीय इन्फ्रा प्रोजेक्ट के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश संबंधित मुख्य अभियंता भवन विकास निगम को दिए गए।

वर्षा पूर्व सड़क मरम्मत पर जोर...

मंत्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी वर्षा ऋतु से पूर्व सभी सड़कों के प्रीवेंटिव मेंटिनेंस के कार्य पूर्ण कर लिए जाएं। जिन सड़को पर परफॉर्मेंस गारंटी लागू है, उनके रखरखाव के लिए संबंधित ठेकेदारों को लिखित निर्देश जारी किए जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसी सड़को की पहचान की जाए जो लगभग प्रत्येक वर्ष बरसात के दौरान क्षतिग्रस्त होती हैं और उनके लिए विशेष मरम्मत कार्य कराए जाएं। मंत्री श्री सिंह ने तीव्र जल प्रवाह वाले पुलों का भौतिक निरीक्षण कर आवश्यकता अनुसार शीघ्र मरम्मत कार्य सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि मानसून के दौरान यदि सड़कें क्षतिग्रस्त होती हैं तो मरम्मत कार्य के लिए वर्षा समाप्त होने की प्रतीक्षा नहीं की जानी चाहिए। बारिश के दौरान ही मरम्मत के विशेष इंतजाम किए जाएं, जिससे यातायात और नागरिकों को असुविधा न हो। बैठक में प्रबंध संचालक म.प्र. सड़क विकास निगम भरत यादव, प्रमुख अभियंता (बी.एण्ड आर) श्री के.पी.एस. राणा, प्रमुख अभियंता (भवन) श्री एस.आर. बघेल, उप सचिव लोनिवि ए.आर. सिंह, समस्त मुख्य अभियंता, अधीक्षण यंत्री, कार्यपालन यंत्री एवं निरीक्षणकर्ता अधिकारी उपस्थिति रहे।

लापरवाही के प्रति सख्त रुख अपनाया जाएगा...

साथ ही जिन अधिकारियों ने उत्कृष्ट कार्य किया उनकी प्रशंसा की। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण कार्यों को प्रोत्साहित किया जाएगा और लापरवाही के प्रति विभाग में सख्त रुख अपनाया जाएगा। प्रत्येक माह की 5 और 20 तारीख को आयोजित किए जाने वाले औचक निरीक्षणों की श्रृंखला में इस माह 05 मई को सात जिलों के 35 निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया गया। इन निरीक्षणों के लिए जिलों और निर्माण कार्यों के चयन तथा निरीक्षण दलों का गठन पूर्णत: कंप्यूटर सॉफ्टवेयर के माध्यम से रैंडम आधार पर किया गया, जिससे पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित की जा सके।

आपरेशन सिंदूर: पहलगाम हमले का बदला लिया

पाकिस्तान पर दागी 24 मिसाइलें, नौ आतंकी ठिकाने ध्वस्त

मोदी बोले देश हमारी ओर देख रहा था

नई दिल्ली, 07 मई गुरु एक्सप्रेस। अंतत: भारत ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला ले लिया। भारत ने पाकिस्तान के आतंकी संगठनों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए आतंकियों के 09 ठिकानों को ध्वस्त कर दिया। इंडियन एयरफोर्स ने आधी रात 01.05 बजे पाकिस्तान और पीओके यानी पाक अधिकृत कश्मीर के भीतर एयर स्ट्राइक की। इस हमले में 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए हैं। भारत की ये जवाबी कार्रवाई पहलगाम हमले के 15 दिन बाद की गई है और इसको नाम दिया है ऑपरेशन सिंदूर। ये नाम उन महिलाओं को समर्पित है, जिनके पतियों की पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकियों ने हत्या कर दी थी।

खबर है कि कैबिनेट बैठक में पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के लिए तीनों सेनाओं की तारीफ की। ऑपरेशन सिंदूर पर कहा कि ये नया भारत है। पूरा देश हमारी ओर देख रहा था, ये तो होना ही था। पाकिस्तान के इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस के डॉयरेक्टर लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने कहा कि भारत ने 24 मिसाइलें दागी हैं। पीएम मोदी ऑपरेशन सिंदूर को पूरी रात मॉनिटर करते रहे। सेना ने एयर स्ट्राइक के 09.30 घंटे बाद आज सुबह 10.30 बजे मीडिया से चर्चा की। इसमें विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री, आर्मी की कर्नल सोफिया कुरैशी व एयरफोर्स से विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने ऑपरेशन के बारे में जानकारी दी। सबसे पहले एयर स्ट्राइक का 02 मिनट का वीडियो प्ले किया गया। इसमें आतंकी ठिकानों पर भारतीय सेना की कार्रवाई दिखाई गई। रात 01.05 बजे से 01.30 बजे के बीच ऑपरेशन हुआ। 25 मिनट में पाकिस्तान व पीओके में 09 टारगेट पहचाने गए थे। इन्हें हमने तबाह कर दिया। लॉन्चपैड, ट्रेनिंग सेंटर्स टारगेट किए गए। दोपहर में पीएम मोदी राष्ट्रपति मुर्मू से मिलने के लिए राष्ट्रपति भवन पहुंचे और उन्हें ऑपरेशन सिंदूर पर जानकारी दी।

इन्हे बनाया गया है निशाना...

✻ पीओके में मुजफ्फराबाद स्थित लश्कर के सवाई नाला ट्रेनिंग सेंटर को सबसे पहले निशान बनाया गया। सोनमर्ग, गुलमर्ग व पहलगाम हमले के आतंकियों ने यहीं ट्रेनिंग ली थी। ✻ मुजफ्फराबाद का सैयदना बिलाल कैंप. यहां हथियार, विस्फोटक व जंगल सर्वाइवल की ट्रेनिंग दी जाती थी। ✻ कोटली का लश्कर का गुरपुर कैंप, पूंछ में 2023 में श्रद्धालुओं पर हमला करने वाले आतंकी यहीं ट्रेंड हुए थे। ✻ भिम्बर का बरनाला कैंप, यहां हथियार चलाना सिखाया जाता है। ✻ कोटली का अब्बास कैंप, यह एलओसी से 13 किमी दूर है, फिदायीन तैयार होते हैं। ✻ सियालकोट का सरजल कैंप, मार्च 2025 में पुलिस जवानों की हत्या के आतंकवादियों को यहीं ट्रेंड किया गया था। ✻ सियालकोट का हिजबुल महमूना जाया कैंप, पठानकोट हमला यहीं प्लान किया गया था। ✻ मुरीदके का मरकद तैयबा कैंप है, अजमल कसाब व डेविड कोलमैन हेडली यहीं ट्रेंड हुए थे। ✻ मस्जिद सुभान अल्लाह बहावलपुर जैश का हेडक्वार्टर था, रिक्रूटमेंट ट्रेनिंग दी जाती थी, यहां पर बड़े अधिकारी आते थे।

हमले में अजहर मसूद के परिवार के 14 सदस्य मारे गए, मसूद बोला मैं मर जाता तो अच्छा होता...

जैश-ए-मोहम्मद के प्रमुख मौलाना मसूद अजहर ने कहा है कि सुभान अल्लाह मस्जिद पर किए गए हमले में उसके परिवार के 10 सदस्य और चार करीबी सहयोगी मारे गए हैं। मृतकों में मौलाना मसूद अजहर की बड़ी बहन, उसका पति, मसूद अजहर का भतीजा, उसकी पत्नी, एक अन्य भतीजी और उसके परिवार के पांच बच्चे शामिल है। मसूद अजहर ने बयान जारी कर कहा कि मेरे परिवार के लोगों को जन्नत नसीब होगी। मैं भी मर जाता तो अच्छा होता। अजहर ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना करते हुए कहा कि अत्याचार ने सभी नियम तोड़ दिए। अब किसी को दया की उम्मीद नहीं करनी चाहिए।

जल्द मिलेगी क्षेत्र के लोगों को राहत...

शुरु हुआ नाहरगढ़-बिल्लौद पुल का निर्माण

राजू सोनी

नाहरगढ़, 07 मई गुरु एक्सप्रेस। लंबे इंतजार के बाद आखिरकार नाहरगढ़- बिल्लौद शिवना नदी पुल निर्माण का इंतजार अब खत्म हुआ। विधानसभा चुनाव से पहले पुल का भूमि पूजन नदी किनारे उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा तथा पूर्व कैबिनेट मंत्री, वर्तमान विधायक श्री हरदीप सिंह डंग द्वारा किया गया था। लेकिन, दो साल बीतने के बाद भी पुल का निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ था। जिससे ग्रामीण क्षेत्र की जनता में रोष व्याप्त था। आजजन की भावनाओं को देखते हुए आपके अपने 'दैनिक गुरु एक्सप्रेस' द्वारा लगातार पुल निर्माण को लेकर प्रमुखता से मुद्दा उठाया गया। जिसका असर हुआ और पुल निर्माण का कार्य पोकलेन मशीन से गड्ढे खुदाई का कार्य आरंभ हुआ। माना जा रहा है कि अगले साल तक पुल का निर्माण होकर आमजन को आवागमन में राहत मिलेगी।

बता दे कि पुल निर्माण पूर्ण होने बाद क्षेत्र के गांवों की किस्मत बदलने वाली है। लगभग दो दशक लंबे इंतजार के बाद जनता की मांग पूरी होती दिखाई दे रही है। लगभग 15 करोड़ की लागत से नदी पर बनने वाले पुल का काम शुरू हो गया है। विभाग ने पुल बनाने के सामान के साथ मजदूर कार्य पर लगा दिए हैं। कई दशकों बाद भी नदी के पार बसने वाले गावों के लिए पुल एक बड़ा मुद्दा रहा है। कभी कांग्रेस तो कभी भाजपा सरकार में यह मुद्दा गूंजता रहा। लेकिन, मात्र चुनावी वादों तक ही सीमित रहा। अब भाजपा की सरकार, दोनों विधानसभा, मल्हारगढ़, सुवासरा के जिम्मेदार विधायको, नेताओं ने इस पुल की नींव का पत्थर रखा था। अब पुल का काम शुरु होने से तथा निर्माण पूर्ण होने बाद तहसील, जिला, तथा सैकड़ो गांवों का सदियों पुराना दंश कटेगा। वहीं मौत के नाम से मशहूर नदी, क्षेत्र का कलंक भी धुल जाएगा।

उल्लेखनीय है कि बरसात के दिनों में पुलिया पर पानी आने से कई-कई घंटो तक दर्जनों गाव के लोग आवागमन से वंचित रहते है। कई-कई दिनों तक लोग डयूटी पर व बचे स्कूल नहीं पहुच पाते थे। नदी पर काम शुरू होने से जल्द पुल बनने की उम्मीद जगी है। सरकार द्वारा जो पुल निर्माण के मानक है। उसी के हिसाब से अच्छा गुणवत्ता पूर्वक कार्य किया जाए, ताकि अच्छे निर्माण की जनता सराहना करें ना कि आलोचना.?

वाकई मोदी सरकार दाद के काबिल है, देशवासियों का सम्मान बना सिंदूर ऑपरेशन...

मंदसौर/उज्जैन, 07 मई गुरु एक्सप्रेस। कितना यथार्थ, कितना शाश्वत, कितना अस्तित्वगत सच ऑपरेशन सिंदूर के नाम से घट गया कि देश का प्रत्येक नागरिक खासकर मोदी सरकार के प्रचंड आलोचक यूट्यूब चैनलों ने भी मोदी सरकार की इस ऑपरेशन सिंदूर की दिल खोलकर प्रशंसा की, दाद भी दी कि मोदी सरकार ने प्रत्येक भारतीय का सर सम्मान से ऊंचा कर दिया। ऑपरेशन सिंदूर की पाकिस्तान को छाया भी नजर नहीं आई कि उनके यहां सचालित आतंकवादियों के 09 प्रशिक्षण केंद्रों को बमों से उड़ा दिया गया। इसके अलावा सबसे खास बात यह रही की एक भी भारतीय जवान हताहत नहीं हुआ। यह अलग बात है कि पाक चैनलों द्वारा हमारे पांच राफेल हवाई जहाज और सैनिकों को हताहत करने के फेंक समाचार जारी किए जा रहे हैं।

मॉक ड्रिल से पहले भारत ने ऑपरेशन सिंदूर कर पाकिस्तान को सबक सिखाते हुए उसकी हैसियत बताई और अपनी सैन्य काबिलियत दिखा दी। यह भी बता दिया कि भारत के धैर्य को छेड़ने का यह सिर्फ एक सबक था। वरन अपने पर आ जाए तो 1971 की तरह बचे पाकिस्तान को फिर से दो हिस्सों में बांट सकता है। 1971 के पहले बंगाल क्षेत्र के नागरिकों पर पाक सेना और प्रशासन के अत्याचारों ने बांग्लादेशियों को बगावत पर मजबूर किया था। तब की इंदिरा सरकार ने अत्याचार का मुंहतोड़ जवाब दिया और अलग से बांग्लादेश बनवा दिया था।

चन्द्रमोहन भगत

आज भी अवसरों की कमी नहीं है। अगर पाकिस्तान इसी तरह आतंकवादियों को प्रमाणिक पनाह देता रहा, जैसा कि उनके अपने रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने खुद कबूला है कि उनके देश में आतंकी संगठन को पनाह और मदद मिलती रही है। ख्वाजा आसिफ के इसी साक्षात्कार को संयुक्त राष्ट्र में भारत की उपस्थाई प्रतिनिधि योजना पटेल ने दुनिया के सामने रखते हुए पाकिस्तान को दुष्ट देश बताया है। इस के पहले भी वांछित आतंकवादी साजिद मीर को पाकिस्तान में सरकार ने सरकारी तौर पर दिवंगत हो चुका बताया था, वही बाद में जिंदा पकड़ाया था। पाक की ऐसी हरकतों के बाद अगर वर्तमान भारत सरकार खुलकर मैदान में आ गई तो संभव है कि मोदी सरकार बलूचिस्तान को नया राष्ट्र बनवा सकती हैं। बुधवार को 54 साल बाद मॉक ड्रिल होना भी उसी तरह का वातावरण था, जैसा 1971 में हुई मॉक ड्रिल के समय था। तब नतीजे में बांग्लादेश नया राष्ट्र बना था अब शायद बलूचिस्तान नया राष्ट्र बन जाए?

इसके उलट पाकिस्तान जब संयुक्त राष्ट्र में भारत की शिकायत करने पहुंचा तो किसी ने भी गंभीरता से नहीं लिया। उल्टे आतंकी हमलों के मामले में पाकिस्तान से ही कुछ सवाल पूछ डालें। जिसमें सबसे प्रमुख की न्यूक्लियर मिसाइल की धौंस देते रहने के साथ परीक्षण क्यों किया गया? इसका पाकिस्तान के पास कोई जवाब नहीं था। इधर भारत पाकिस्तान सहित अधिकृत कश्मीर में कुल 09 आतंकी संगठनों के कैंप स्थल को हवाई हमले से ध्वस्त किया जा चुका है। इस पूरे घटनाक्रम को पूरी दुनिया के राष्ट्रों ने देख लिया है। इसलिए प्रतिक्रिया विश्वव्यापी हो रही है।

बहरहाल पाकिस्तान अपनी बची खुची साख बनाए रखने के लिए अपनी न्यूज एजेंसियों से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में फेक खबरें प्रसारण पर उत्तर आया है। पाक चेनलो के मुताबिक भारत के पांच विमान धराशाई किए हैं, जबकि भारत का एक सैनिक भी हताहत तक नहीं हुआ है। पाकिस्तान में बनता तो कुछ है नहीं उल्टे विदेशी हथियारों की खैरात के भरोसे अपने हालात ऐसे बयान कर रहा है जैसा किसी शायर ने कहा है कि,

करिश्मा वक्त का इसे ही कहते हैं, जहां वालों।

जो सबसे कीमती कपड़ों में है, सचमुच वही भिखारी है।।

विचार-मंथन

भारत ने पाकिस्तान को पहुंचाया बड़ा आर्थिक आघात

पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ भारत सावधानी से कदम आगे बढ़ा रहा है। सिंधु जल समझौते को निलंबित करने, हवाई मार्ग बंद करने जैसे फैसलों के बाद अब उसने पाकिस्तान से किसी भी प्रकार के आयात पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है। माना जा रहा है कि इससे पाकिस्तान को बड़ा आर्थिक आघात पहुंचेगा। पहलगाम हमले के बाद से देश में आक्रोश है। सरकार भी लगातार बैठकों और मंत्रणाओं के जरिए यह संदेश देने का प्रयास कर रही है कि जल्दी ही वह पाकिस्तान के खिलाफ कोई निर्णायक और कड़ा कदम उठाएगी। प्रधानमंत्री और गृहमंत्री सार्वजनिक मंचों से भरोसा दिला चुके हैं कि वे दोषियों को कड़ी सजा दिला कर रहेंगे। राष्ट्रीय जांच एजंसी इस हमले की गहन जांच कर रही है। खुफिया एजंसियों ने यह पता लगा लिया है कि आतंकियों ने किस प्रकार हमले को अंजाम दिया। इस हमले में शामिल स्थानीय आतंकियों के मकान ध्वस्त किए जाने की कार्रवाई की गई है। पाकिस्तान से आए आतंकियों को साथ लेकर हमले को अंजाम दिया गया। पता चला है कि ये वे आतंकी ही थे, जिन्होंने प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान बड़ा हमला करने की योजना बनाई थी। दौरा टलने के बाद उन लोगों ने पहलगाम हमले को अंजाम दिया। शुरू में ही यह तथ्य सामने आ गया था कि पहलगाम हमले में लश्कर-ए-तैयबा के एक आनुषंगिक संगठन का हाथ था, लेकिन पाकिस्तान हमेशा की तरह अपना हाथ होने से मना कर रहा है। पाकिस्तान की यह आदत रही है कि तमाम तथ्यों और दस्तावेजों के बावजूद उसने आज तक किसी भी घटना में अपनी जमीन के इस्तेमाल होने की बात कबूल नहीं की है। अंतरराष्ट्रीय बिरादरी के सामने पहलगाम हमले को लेकर भारत पुख्ता तरीके से बात रख रहा है। वहां की सेना और खुफिया एजंसी आइएसआइ की देखरेख में पाक अधिकृत कश्मीर में आतंकियों को प्रशिक्षित करने के शिविर चलाए जा रहे हैं। स्पष्ट है कि पहलगाम हमले को लेकर जवाबी कार्रवाई की तैयारी भारत करेगा ही। यह देख अमेरिका और रूस समेत कई देश भारत और पाकिस्तान से तनाव और न बढ़ाने की अपील कर रहे हैं। राष्ट्रीय जांच एजंसी ने अपनी शुरुआती जांच में पाकिस्तान के खिलाफ कई तथ्य इकट्ठा किए हैं। यह छिपी बात नहीं है कि पाकिस्तान की सेना और खुफिया एजंसी लगातार आतंकवाद को भारत के खिलाफ एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करती रही हैं और उन पर नकेल कसने की मांग बार-बार उठती रही है। अपने दुश्मन को केवल बंदूक से परास्त नहीं किया जा सकता। आज की स्थिति में उस पर आर्थिक वार सबसे बड़ा हमला होता है। इस अर्थ में भारत का पाकिस्तान से आयात पर पूर्ण प्रतिबंध ज्यादा कारगर साबित हो सकता है। हालांकि पाकिस्तान से सीधा कारोबार काफी कम हो गया था। सड़क मार्ग से तिजारत बहुत समय से बंद है, हवाई सेवाएं भी रुकी हुई हैं, पहलगाम हमले के बाद दोनों देशों के बीच वाघा और अटारी सीमा से होने वाली आवाजाही भी बंद हो चुकी है, लेकिन दोनों देशों के बीच तीसरे मुल्क से कारोबार जारी था। भारत ने इस तरह के भी कारोबार पर रोक लगा दी है। पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति पहले से ही बहुत बुरी है, उस पर भारत का ताजा निर्णय गहरी चोट करेगा।

ऐतिहासिक निर्णय है जातिगत जनगणना...

मृत्युंजय दीक्षित

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा धर्म पूछकर किये गये हिन्दू नरसंहार के बाद जनमानस में उपजे आक्रोश और पाकिस्तान पर कार्यवाही की प्रतीक्षा कर रहा आम जनमानस तथा राजनीतिक दल उस समय हैरान रह गए जब केंद्र सरकार ने जातिगत जनगणना कराने का बड़ा निर्णय सुनाया। केंद्र सरकार का यह निर्णय आते ही देश का राजनैतिक विमर्श जातिगत जनगणना पर केन्द्रित हो गया। आमजन यद्यपि यह सोच रहा है कि इस समय जब हम आतंकवादियों के शवों की प्रतीक्षा कर रहे हैं उस समय प्रधानमंत्री जी को ये क्या सूझ पड़ी, किन्तु आश्वस्त है कि प्रधानमंत्री जी ने ऐसा किया है तो अवश्य इसके पीछे कुछ रणनीति होगी। उधर कांग्रेस के नेतृत्व में इंडी गठबंधन इसे अपनी विजय बताकर प्रसन्नता व्यक्त कर रहा है। कांग्रेस तो इतनी आतुर हो गई कि उसने सोशल मीडिया पर, «सरकार उनकी, सिस्टम हमारा» कैप्शन के साथ राहुल का प्रचार आरम्भ कर दिया, फिर उनको याद दिलाना पड़ा कि ये फिल्म में एक खलनायिका द्वारा कहे गए शब्द हैं जो आतंकवादियों के साथ है। पहलगाम आतंकी हमले के पश्चात प्रधानमंत्री जी ने कड़ा रुख अपनाया है और कहा है, हम आतंकवादियों तथा उनके पीछे छुपे लोगों का धरती के अंत तक पीछा करेंगे और सजा देंगे। प्रधानमंत्री ने इस बार पाकिस्तान को कल्पना से अधिक दंड मिलने की बात भी कही है। संभव है, इस प्रक्रिया में समय लगे और लम्बे समय तक युद्ध की परिस्थितियां बनी रहें। उस समय में विपक्ष अपना राजनैतिक अस्तित्व बचाए रखने के लिए क्याकुछ कर सकता है? स्वाभाविक रूप से जाति जनगणना जैसे मुद्दे को हवा देगा। भारत की अवश्यम्भावी विजय के उपरांत विपक्ष के पास क्या मुद्दा होगा? स्वाभाविक है वो पुनः अत्यंत आक्रामक रूप से जातिगत जनगणना के मुद्दे को उठाएगा यही कारण है कि केंद्र सरकार ने पहले ही जातिगत जनगणना का निर्णय लेकर उन वर्गों की चिंताओं को दूर कर दिया है जो मानते हैं कि जातिगत जनगणना उनके पक्ष में होगी और जिनको विश्वास में लेकर राहुल गाँधी तथा उनके मित्र देश और समाज का वातावरण बिगाड़ सकते हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सामाजिक समरसता के विचारों को आत्मसात करते हुए तथा संघ को अपने निर्णय में साथ लेकर केंद्र सरकार ने यह निर्णय लिया है। कांग्रेस ने जातिगत जनगणना को एक राजनैतिक हथियार के रूप में उपयोग करके 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के मिशन 400 को पूरा होने से रोक दिया यद्यपि उसके बाद हरियाणा, दिल्ली और महाराष्ट्र में भाजपा के नए नारों «एक रहेंगे नेक रहेंगे» और «बटेंगे तो कटेंगे» ने परिस्थितियाँ पूरी तरह बदल दीं। वर्तमान में भारत-पाक के मध्य चल रहे तनाव के समय सरकार द्वारा लिया गया जातिगत जनगणना का निर्णय विपक्ष के लिए तनाव पैदा करने है भले ही इस समय वो इस फैसले को अपनी जीत मानकर जश्न मना रहा हो। वास्तविकता यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सहयोगियों व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ मिलकर विरोधी दलों के खतरनाक राजनैतिक एजेंडे पर पॉलिटिकल सर्जिकल स्ट्राइक कर दी है और एक बड़ा मुद्दा उनके हाथों से छीन लिया है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सदन और सदन के बाहर हमेशा यही कहते थे कि जब भी हमें मौका मिलेगा हम संसद से जातिगत जनगणना का प्रस्ताव पारित करवाकर रहेंगे। प्रधानमंत्री मोदी जी ने उनके इस कथन का पटाक्षेप कर दिया है और यह भी स्पष्ट कर दिया है कि कांग्रेस जातिगत जनगणना पर केवल राजनीति ही करती रही है। वर्ष 1931 में जब देश में अंग्रेजों की सरकार थी तब जातिगत जनगणना हुई थी, स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत में अधिकांश समय कांग्रेस की सरकारें ही रहीं किंतु कांग्रेस ने कभी भी जातिगत जनगणना करवाने का साहस नहीं किया अपितु पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू से लेकर मनमोहन सिंह सरकार के गृहमंत्री पी चिदम्बरम तक ने सदन मे खड़े होकर 16 बिन्दुओं को आधार मानकर जातिगत जनगणना का कड़ा विरोध किया था और इसे देशहित के खिलाफ बताया था। यह एक कटु सत्य है किआज जिस कांग्रेस के नेता राहुल गांधी जातिगत जनगणना के नाम पर देश को अराजकता की आग में झोंकने का प्रयास कर रहे हैं उस कांग्रेस ने जातिगत जनगणना का हमेशा विरोध किया और इसे लागू नहीं होने दिया। पत्रकार वार्ता में जातिगत जनगणना के निर्णय की जानकारी देते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि जातिगत जनगणना कराना समता, समरसता, सुशासन और सामाजिक न्याय के एक नये युग का आरंभ है। अब जातिगत जनगणना का मुद्दा पूरी तरह से बीजेपी के पाले में है। भाजपा ने कभी भी जातिगत जनगणना का विरोध नहीं किया। स्मरणीय है कि जब बिहार के वर्तमान मुख्यमंत्री नीतिश कुमार इंडी गठबंधन में शामिल थे और उन्होंने जातिगत जनगणना को लेकर सर्वदलीय बैठक बुलाई थी तब बीजेपी ने भी उस बैठक में भाग लिया था और जातिगत जनगणना का समर्थन किया था यद्यपि बीजेपी को विपक्ष के तौर तरीकों पर आपत्ति थी क्योंकि जनगणना मूलतः केंद्र सरकार का विषय है और इसमें राज्य सरकारों की कोई भूमिका नहीं है। अभी तक जिन राज्यों में यह जनगणना हुई है वह राजनीति से प्रेरित तथा सामाजिक तनाव बढ़ाने वाली रही है। केंद्र सरकार की जातिगत जनगणना से पहली बार वास्तविक आंकड़े सामने आयेंगे। इस जनगणना के माध्यम से कई चीजे स्पष्ट हो सकेंगी जिसमें एक यह बड़ा मुद्दा भी है कि हर जाति के दंबग लोग ही आरक्षण का लाभ उठाते चले आ रहे हैं जबकि उन्हीं जातियों और समाज के अन्य लोग पिछड़ते ही चले जा रहे हैं, उन्हें आरक्षण व सरकार की अन्य सुविधाओं का प्रत्यक्ष लाभ नहीं मिल पा रहा है अर्थात क्रीमिलेयर का भी वास्तविक वर्गीकरण हो सकेगा। विपक्ष की जातिगत जनगणना केवल हिंदू समाज को जातियों में विभाजित करने की नीयत से थी जबकि मोदी सरकार अब संपूर्णता के आधार पर जातिगत जनगणना कराने जा रही है देश के इतिहास में पहली बार मुस्लिम समाज की जातियों की भी जनगणना होने जा रही है। इस जनगणना के माध्यम से धर्मांतरण करने वालों का आंकड़ा भी जुटाया जायेगा। धर्म परिवर्तन करने के कारण देश के कई हिस्सों की जनसंख्या और भौगोलिक संरचना में तेजी से बदलाव देखा गया है।

हमारे दिमाग को पसंद नहीं है विरोधाभास...

मनीष कुमार चौधरी

आज प्रामाणिकता ऐसी चीज है, जिसे ईमानदारी से नहीं, बल्कि इस बात से मापा जाता है कि यह स्वीकार्यता के साथ कितनी अच्छी तरह मेल खाती है। हममें से कई लोग खुद को दुनिया की अपेक्षाओं के अनुसार ढालना सीखते हैं। तब तक परिष्कृत करना, संपादित करना और प्रदर्शन करना, जब तक कि वह अभिनय हमें अपना एकमात्र संस्करण न लगे। वास्तविकता का प्रदर्शन करने का दबाव आधुनिक जीवन के हर पहलू में व्याप्त हो गया है। हमने प्रामाणिकता को एक ब्रांड में बदल दिया है। प्रामाणिकता हमें स्वतंत्र बनाने वाली थी। इसके बजाय यह कुछ ऐसी बन गई है, जिसे हमें लगातार साबित करना चाहिए। सभी सामाजिक संपर्क एक तरह का प्रदर्शन है। विभिन्न सामाजिक भूमिकाओं के बीच स्वाभाविक रूप से बदलाव करने के बजाय अब हम अपने परिवार, सहकर्मियों, पुराने दोस्तों और आभासी दुनिया के अजनबियों के बीच एक अनुकूलित और एकल पहचान का प्रबंधन करते हैं। हालांकि विरोधाभासी समस्या यह है कि जितना अधिक हम वास्तविक होने का प्रयास करते हैं, उतना ही अधिक हम प्रदर्शन करते हैं। अपनी प्रामाणिकता साबित करने में यह भूल जाते हैं कि हम वास्तव में कौन हैं। निरंतर आत्म-निगरानी हमारे व्यवहार को बदल देती है। पूरी तरह से जुड़ने के बजाय हम गणना करते हैं कि हमें कैसे स्वीकारा जाएगा। वास्तविक अभिव्यक्ति पर पालिश की गई एक छवि को प्राथमिकता देते हैं। यह आश्चर्य की बात नहीं है कि हम स्वीकृति की कला में विशेषज्ञ बन रहे हैं, लेकिन संबंध बनाने की क्षमता में शौकिया। समायोजन केवल छोटे-मोटे बदलाव होते हैं कि हम खुद को दूसरों के सामने कैसे पेश करते हैं। लेकिन समय के साथ वे कुछ बड़े रूप में बदल जाते हैं। खुद का एक ऐसा संस्करण जो पसंद से कम और जरूरत से ज्यादा लगता है। यानी 'झूठा स्व।' रोजमर्रा के सामाजिक मुखौटे ओढ़े हमारा एक ऐसा संस्करण, जो बाहरी अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए विकसित होता है। जब लोगों को लगता है कि उनकी सच्ची भावनाओं या व्यवहार को स्वीकार नहीं किया जाएगा, तो वे इसके बजाय खुद का एक सुरक्षित, अधिक सामाजिक रूप से स्वीकृत संस्करण बनाते हैं। हमारे दिमाग को विरोधाभास पसंद नहीं है और इसलिए अगर हम लंबे समय तक एक निश्चित तरीके से काम करते हैं, तो हम खुद को यह विश्वास दिलाना शुरू कर देते हैं कि मैं वास्तव में यही हूं। अगर हम अपने पूरे जीवन में 'ओवरअचीवर' यानी जरूरत से ज्यादा हासिल करने वाले रहे हैं, तो यह कल्पना करना कठिन है कि हम उस ठप्पे या पहचान के बिना क्या होंगे। अगर हम हमेशा 'मजबूत व्यक्ति' हैं, तो कमजोर होना अप्राकृतिक लग सकता है, भले ही हमें वास्तव में इसकी आवश्यकता हो। हम अनजाने में खुद को इस तरह ढाल लेते हैं कि काम और जीवन में सबसे ज्यादा स्वीकृति किसको मिलती है। जितना ज्यादा हम एक निश्चित पहचान का प्रदर्शन करते हैं, उतना ही ज्यादा हमें लगता है कि यही हमारी एकमात्र पहचान है। असली कीमत यहीं से चुकानी पड़ती है। समस्या यह नहीं है कि हम वास्तविक होना नहीं जानते, बल्कि यह है कि हमें हर समय खुद को संपादित करने, अभ्यास करने और अनुकूलित करने के लिए तैयार किया गया है। इसलिए मुक्त होना खुद को खोजने के बारे में नहीं है। यह उन आदतों को बाधित करने के बारे में है जो हमें प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करती हैं। अपनी सामान्य भूमिका से बाहर निकलकर अपनी आत्म-अवधारणा को चुनौती देने की जरूरत है। अगर हम हमेशा जिम्मेदार रहे हैं तो जोखिम लेना चाहिए। अगर हम मनोरंजन करने वाले हैं, तो मौन को अपनाएं। यह विद्रोह या उपेक्षा नहीं है, बस परिपूर्ण होने और होने की आवश्यकता को छोड़ने के बारे में है। आदतों से परे, झूठे स्व को तोड़ने का मतलब है निरंतर मान्यता की आवश्यकता को समाप्त करना। जो हम वास्तव में सोचते हैं, उसे कहें, न कि जो अपेक्षित है। मुद्दा सुधार नहीं है, बल्कि यह समझना है कि किसी चीज का आनंद लेने के लिए हमें सिर्फ 'अच्छा' होने की आवश्यकता नहीं है। सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह कि खुद को हर बार सही ठहराना बंद कर देना चाहिए।

पाक प्रायोजित आतंकवाद पर अमेरिका का ढुलमुल रवैया

अमेरिका बेशक इन हमलों के लिए सीधा जिम्मेदार नहीं हो, किन्तु पाकिस्तान के साथ उसके सैन्य रिश्ते कहीं न कहीं आतंकवाद को प्रोत्साहित करते नजर आते हैं। यह पहला मौका नहीं है जब किसी अमेरिकी विशिष्ट व्यक्ति के भारत दौरे के दौरान आतंकी वारदात हुई है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले 26 से अधिक पर्यटक मारे गए। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकियों ने यह हमला ऐसे समय में किया जब अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेन्स अपनी भारतीय मूल की पत्नी उषा और बच्चों के साथ भारत की यात्रा पर थे। इस हमले के पीछे पाकिस्तान का निहितार्थ इस यात्रा में विघ्न डाल कर कश्मीर के मुद्दे पर विश्व का ध्यान आकर्षित करना था। पाकिस्तान इस तरह के कुत्सित प्रयास पूर्व में भी कर चुका है। बेरोजगारी, भारी भरकम कर्जा और घरेलू आतंकवाद से त्रस्त पाकिस्तान ने इन समस्याओं से ध्यान हटाने के लिए वेंस की यात्रा के दौरान हमला करवाने के समय का चुनाव किया। अमेरिका सहित विश्व के तकरीबन सभी देशों ने इस हमले की तीखी निंदा की। सवाल यही है कि क्या अमेरिका सिर्फ निंदा तक ही सीमित रहेगा। पूर्व में भी इसी तरह के पाक प्रायोजित हमले के दंश भारत झेलता रहा है। जब कभी भी ऐसे हमले हुए हैं, अमेरिका ने सिर्फ घड़ियाली आंसू ही बहाएं हैं। सही मायने में तो अमेरिका चाहता ही नहीं है कि पाकिस्तान पर ऐसी आतंकी वारदातों को रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई करे। यही वजह है कि अन्य देशों की तरह अमेरिका भी सिर्फ सहानुभूति जता कर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर लेता है। अमेरिका बेशक इन हमलों के लिए सीधा जिम्मेदार नहीं हो, किन्तु पाकिस्तान के साथ उसके सैन्य रिश्ते कहीं न कहीं आतंकवाद को प्रोत्साहित करते नजर आते हैं। यह पहला मौका नहीं है जब किसी अमेरिकी विशिष्ट व्यक्ति के भारत दौरे के दौरान आतंकी वारदात हुई है। 20 मार्च, 2000 की रात को पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों ने जम्मू कश्मीर के अनंतनाग जिले के चिट्ठीसिंहपोरा गांव में 36 सिख ग्रामीणों का नरसंहार किया था। यह घटना अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की 21-25 मार्च की यात्रा से ठीक पहले हुई थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने क्लिंटन के सामने हमले के पीछे पाकिस्तान का हाथ होने का मुद्दा उठाया था। उस समय क्लिंटन जयपुर और आगरा के दौरे पर थे, जबकि विदेश मंत्री मैडलिन अलब्राइट और उप विदेश मंत्री स्ट्रोब टैलबोट भारतीय अधिकारियों से बातचीत करने के लिए दिल्ली में ही थे। वर्ष 2002 में जब दक्षिण एशियाई मामलों को लेकर अमेरिकी असिस्टेंट सेक्रेटरी क्रिस्टीना बी रोका भारत की यात्रा पर थीं, तब 14 मई, 2002 को जम्मू-कश्मीर के कालूचक के पास एक आतंकवादी हमला हुआ। तीन आतंकवादियों ने मनाली से जम्मू जा रही हिमाचल रोडवेज की बस पर हमला किया और सात लोगों की हत्या कर दी। इसके बाद आतंकी आर्मी क्वार्टर्स में घुस गए और अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें 10 बच्चों, आठ महिलाओं और पांच सैन्यकर्मियों सहित 23 लोग मारे गए। मारे गए बच्चों की उम्र चार से 10 साल के बीच थी और इस हमले में कुल 34 लोग घायल हुए थे। इन आतंकी हमलों से जाहिर है कि पाकपरस्त आतंकियों ने हमला करने के लिए ऐसे वक्त का चुनाव किया जबकि कोई न कोई प्रमुख अमेरिकी भारत यात्रा पर आया हो। आश्चर्य की बात यह है कि इन हमलों के बावजूद अमेरिका ने कभी पाकिस्तान के खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं की। कहने को अमेरिका भारत को महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार बताता है, किन्तु हकीकत में उसका उद्देश्य सिर्फ व्यवसायिक हित साधना भर रहा है।

आज का राशिफल

मेष

वृषभ

मिथुन

कर्क

सिंह

कन्या

तुला

वृश्चिक

धनु

मकर

कुंभ

मीन

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5588

3	2		8		5		7	
		7						3
	1	5	7					
		2					3	1
	4		3	9	1		5	
1	5					8		
					7	3	4	
8						9		
	3		1		4		6	7

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5587

7	3	2	5	6	1	8	4	9
8	1	5	4	2	9	3	7	6
6	9	4	7	8	3	5	2	1
1	8	3	6	5	2	7	9	4
4	2	9	8	1	7	6	3	5
5	7	6	9	3	4	2	1	8
9	4	8	3	7	5	1	6	2
3	6	1	2	9	8	4	5	7
2	5	7	1	4	6	9	8	3

वर्ग पहेली 5588

संकेत: बाएं से दाएं
1. 1 अगस्त 2004 को इस देश ने भारत को 25 रनों से हराकर एशिया कप जीता था (3)
3. किसी देश की वह सीमा जो किसी दूसरे देश से मिली हो (4)
6. आर.के.नारायण के इस उपन्यास पर फिल्म निर्माण हुआ था, जिसमें देवानंद के साथ वहीदा रहमान थी (3)
7. पंडवानी शैली की प्रसिद्ध लोकगायिका (पद्मश्री)(5)
9. एक राजनीतिक पार्टी का संक्षिप्त नाम (2)
11. स्पष्ट, अधर, ओंठ (3)
12. मनुज, इंसान, आदमी (3)
13. खुदाई करना, खुदाई कृति (3)
14. हस्ताक्षर, जो यथार्थ हो (2)
15. ना समझ, भोला, अनुभवहीन, सरल (2)
17. अत्यधिक, उच्च, उत्तम, बड़ा (2)
19. पढ़ने वाला, किसी विश्वविद्यालय का अध्यापक (3)
20. शरतचंद्र चट्टोपाध्याय की प्रसिद्ध कृति (4)

ऊपर से नीचे
1. विवाहित स्त्री, पत्नी (3)
2. विधायन करना, नियम बनाना (6)
3. विवाह के पूर्व की एक रस्म, मंगनी (3)
4. मथानी, जिससे मथा जा सके (2)
5. अमेरिका के न्यूयार्क प्रांत के पूर्वी हिस्से में बहने वाली एक प्रसिद्ध नदी (4)
8. पयोद, मेघ, जलधारा, नीरद, वारिद (3)
10. बिजली घर को अंग्रेजी में यह कहते हैं (6)
12. भारत के वर्तमान क्रिकेटर महेंद्रसिंह धोनी इस नाम से भी जाने जाते हैं (2)
13. महाराष्ट्र का प्रसिद्ध शहर नासिक इस नदी के उद्गम पर स्थित है (4)
14. बेटा, पुत्र (अंग्रेजी)(2)
16. जिसमें दाग लगा हो, लांछित, दुर्गुणी (2)
18. [illegible], मूल्य, भावित (2)

वर्ग पहेली 5587 का हल

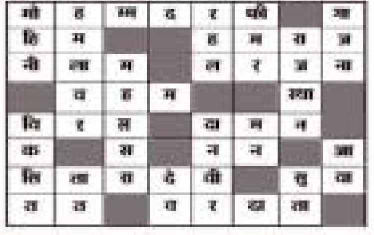

शिवना शुद्धिकरण अभियान को एक सप्ताह पूर्ण, 71 ट्रॉली गंदगी निकाली

मंदसौर, 07 मई गुरु एक्सप्रेस। विधायक श्री विपिन जैन के आव्हान पर 1 मई से प्रारंभ हुए शिवना नदी शुद्धिकरण अभियान ने एक सप्ताह में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। अब तक कुल 71 ट्रॉली जलकुंभी और गंदगी नदी से निकाली जा चुकी है, जिससे शिवना की स्वच्छता और प्रवाह में सुधार हुआ है। सातवें दिन बुधवार को 12 ट्रॉली जलकुंभी और गंदगी निकाली गई, जिसमें विभिन्न सामाजिक संगठनों और नागरिकों ने भाग लिया।

अभियान के तहत प्रतिदिन सुबह 7 से 9 बजे तक श्रमदान किया जा रहा है, जिसमें समाजसेवी संगठन, महिला समूह, पत्रकार, विभिन्न समाजों के प्रतिनिधि और जागरूक नागरिक, छात्र - छात्राएं सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। नावों की सहायता से जलकुंभी हटाई जा रही है, और गाद को ट्रॉली के माध्यम से बाहर निकाला जा रहा है। विधायक श्री जैन ने कहा कि शिवना नदी को हम माता का दर्जा देते है। ऐसे में इसे स्वच्छ और निर्मल बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे इस जनहित के कार्य में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर श्रमदान करें। श्री जैन ने चेतावनी दी है कि जो लोग शिवना नदी में गंदगी फैलाते हैं, उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई जाएगी। मीडिया प्रभारी राजनारायण लाड ने कहा कि शिवना शुद्धिकरण अभियान को जनसामान्य और सामाजिक संगठनों से जबरदस्त समर्थन मिल रहा है, और यह अभियान जनआंदोलन का रूप लेता जा रहा है।

मंदसौर सहित आसपास क्षेत्र के ग्रामीणजन, महिलाएं, बच्चे श्रमदान में बढ चढ कर भाग ले रहे है। बुधवार को लोकप्रिय विधायक विपिन जैन, अभिभाषक संघ के रघुवीरसिंह पंवार, प्रकाश रातडिया, प्रहलादराय गुप्ता, डॉ. राघवेन्द्रसिंह तोमर, अजय मारू, विनोद शर्मा, विनोद साल्वी, पीएल माहेश्वरी, सुनील शर्मा, आशीष मोदी, दिलीप देवडा, राजेश पाठक, पंकज जोशी, गोपाल कुमावत, गणेश सोपरा, सत्येन्द्रसिंह सोम, दिलीप गुप्ता, राजेश सौलंकी, जैन बी.एड. कॉलेज के डॉ. ब्रजेश शर्मा, डॉ. राखी हिंगड, पवन सोपरा, रेणु सक्सेना, अल्पना शर्मा, चेतना मण्डवारिया, चन्द्रकांता राजगुरु, कुशल पंडित, कुणाल सोमानी, अशोक पाण्डे, आंचलिक पत्रकार संगठन के तुलसीराम राठौर, दीपक माली, गुंदेश्वर अखाडा समिति के श्याम पाण्डे, जितेन्द्र चौधरी, मिश्रीलाल ग्वाला, अंकित माहेश्वरी, संदीप लक्षकार, मोहित वर्मा, महेन्द्र जीनगर, गोपाल पाण्डे, अ.भा. पोरवाल युवा संगठन के नरेन्द्र उदिया, जगदीश काला, जगदीश घाटिया, संजय धनोतिया, संजय पोरवाल, सुनील पोरवाल, जतिन पोरवाल, अजय धनोतिया, प्रीतेश घाटिया, आयुष रत्नावत, कृष्णकांत मोदी, पवन सेठिया, निलेश काला, अनिल गुप्ता, राजेन्द्र धनोतिया, समाजसेवी पुरूषोत्तम माहेश्वरी,रामचन्द्र मालवीय रिटायर्ड टीआई, घनश्याम भावसार, मनीष भावसार, आस्था भावसार, महेश दुबे, हरिशंकर शर्मा, नगरी नगर पंचायत से आई युवा टीम के देवेन्द्र अटोलिया, श्यामसुंदर अटोलिया, पुष्कर धाकड़, राजकुमार जैन, सुरेश टेलर, विकास, शाहरूख मंसूरी, सलीम मंसूरी, संजय खारोल, अर्जुन टेलर, प्रमोद जैन, सोनू यती, दिनेश यती, अतुल अटोलिया, कोमल बग्गड़, राजकुमार बग्गड़, ईश्वरलाल धाकड़, मालवा मीडिया मंच के अब्दुल वाहिद रईस, पं. गायत्री प्रसाद शर्मा, संजय भाटी, हरिओम गंधर्व, विजेन्द्र फांफरिया, सोनू गुप्ता, कांग्रेसजन में सर्वश्री तरूण खिंची, राजेन्द्र छाजेड,राजनारायण लाड, विकास दशोरा, नोंदराम गुर्जर, राजेश फरक्या, संजय नाहर, विश्वास दुबे, साबिर इलेक्ट्रीशियन, गणपत कुमावत, मोहनपुरी गोस्वामी, भंवरलाल माली, कचरमल जटिया, आमिन खान, मोहनपुरी गोस्वामी, गणपत कुमावत, जगदीश जटिया, रमेश ब्रिजवानी, श्याम साल्वी, रमेश सिंगार, राजेश चौधरी, सादिक गौरी, कैलाश कुमावत, मनोज जैसवार, हेमंत जैसवार, पंकज रैकवार, मोहनलाल धाकड, ओमप्रकाश सूर्यवंशी, रमेश सोनी, हिम्मत पोखरना, मनोज जैन, सौरभ जैन, अशोक वर्मा, मनोहर गुर्जर, प्रीतम पंचोली, रामेश्वर धनगर, महिला नेत्री रफत पयामी, इष्ट भाचावत, राखी सतरावाला, सोनाली जैन, प्रमिला पंवार, दिशी पोखरना, सुष्मिता वर्मा सहित बडी संख्या में नागरिकण श्रमदान करने पहुंचे।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर 10 मई से

मंदसौर, 07 मई गुरु एक्सप्रेस। 'खेल और युवा कल्याण विभाग मंदसौर द्वारा ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 10 मई से 10 जून 2025 तक मन्दसौर के विभिन्न खेल मैदानों पर आयोजित होगा, मध्यप्रदेश शासन खेल और युवा कल्याण विभाग के दिशा निर्देशानुसार दिनांक 06 मई 2025 को पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक आनन्द, रक्षित निरीक्षक श्री दिनेश बैन, जिला खेल अधिकारी श्री विजेंद्र देवडा समस्त खेल संगठनों के पदाधिकारियों, खेल प्रशिक्षकों, युवा समन्वयकों और वरिष्ठ खिलाड़ियों की उपस्थिति में बैठक आयोजित हुई, जिला खेल अधिकारी श्री विजेंद्र देवडा ने बताया खेल प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन जिला मुख्यालय पर 04 खेलों 1/ एथलेटिक्स - पी.जी. कॉलेज खेल मैदान - जिला एथलेटिक्स कोच श्री मुकेश भटेवरा द्वारा 2/ बास्केटबॉल - उत्कृष्ट विद्यालय खेल मैदान - श्रीमती रुबीना खान और श्री अंकुर त्रिपाठी द्वारा 3/ हॉकी - (1)हॉकी स्ट्रोटर्फ मैदान रेवास देवडा रोड पर - श्री वैभव चौरसिया, श्री मीत चौहान (2)उत्कृष्ट विद्यालय हॉकी ग्राउंड - श्री अविनाश उपाध्याय, श्री रवि कोपरगावकर 4/ मार्शल आर्ट - (1) महारानी लक्ष्मीबाई स्कूल - श्री गगन कुरील, श्री धवल कुमावत, (2) नूतन स्टेडियम नियुद्ध हॉल - श्री प्रवीण भंडारी द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा एवं विकासखंड मुख्यालयों पर 2-2 खेलों में प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन।

मन्दसौर विकासखण्ड दलौदा - 1/ मलखम्ब, कबड्डी, वॉलीबॉल - श्री जीवन माली, श्री चंदन शर्मा, श्री एम्ब्रोज वाल्टर - अटल बिहारी वाजपेयी स्टेडियम, दलौदा। मल्हारगढ़ विकासखण्ड- 1/ वॉलीबॉल और कबड्डी - बूढा ग्राम शा. बालक उ.मा.वि. - श्री रहुफ खान 2/ बैडमिंटन, टेबल-टेनिस और एथलेटिक्स - नारायणगढ़ - श्री गोपाल धनगर, श्री दिनेश डाभी सीतामऊ विकासखण्ड- 1/ बास्केटबॉल - श्री राम उत्कृष्ट विद्यालय, सीतामऊ- श्री नरेन्द्र सिसोदिया, श्री आदित्य सेठिया 2/ एथलेटिक्स - श्री संजय चौहान - मंडी खेल मैदान सीतामऊ गरोठ विकासखण्ड- 1/ एथलेटिक्स, कबड्डी - श्री मयूर सिंह, एवं श्री नारायण सिंह - खेल और युवा कल्याण विभाग स्टेडियम, गरोठ भानपुरा विकासखण्ड- 1/ खो-खो - हरकचंद चौरड़िया महाविद्यालय ग्राउंड - श्री तरुण लोहार। खेल और युवा कल्याण विभाग, मन्दसौर द्वारा उपरोक्त जगहों पर प्रशिक्षण शिविर निःशुल्क लगाया जाएगा एवं अन्य खेलों में खेल संघों / खेल प्रशिक्षकों एवं खेल विभाग के संयुक्त तत्वाधान में 1/ मिनी गोल्फ - उत्कृष्टविद्यालय, मन्दसौर - श्री मनोहर घारू 2/ वॉलीबॉल - नूतन स्कूल - श्री अभिषेक सेठिया, श्री चयन माली 3/ सॉफ्टबॉल, बेसबॉल - उत्कृष्ट विद्यालय, मन्दसौर - श्री मनोहर घारू, श्री ओम सूर्यवंशी। 4/ मार्शल आर्ट - विधि कॉलेज - श्रीमती प्रीति जैन। 5/ स्केटिंग, फुटबॉल - नूतन स्टेडियम, मन्दसौर - श्री राकेश श्रीवास्तव, श्री सचिन काले। 6/ फुटबॉल - पी.जी. कॉलेज ग्राउंड - श्री सुरेन्द्र प्रताप सिंह। 7/ क्रिकेट - नूतन स्टेडियम, मंदसौर - श्री आमीन चौधरी, श्री नवीन खोकर, श्री देवेन्द्र बैरागी द्वारा आयोजित किया जाएगा। सभी खेल प्रशिक्षण शिविरों में प्रशिक्षण से संबंधित आवश्यक खेल सामग्री और भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को समापन अवसर पर प्रमाण-पत्र खेल विभाग द्वारा प्रदान किये जायेंगे।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत सभा सम्पन्न

कुकड़ेश्वर, 07 मई गुरु एक्सप्रेस। नगर परिषद कुकड़ेश्वर में 7 मई को प्रात 8:00 बजे जन अभियान परिषद के तत्वाधान में आदिगुरु शंकराचार्य व्याख्यानमाला एवं जलगंगा संवर्धन अभियान के तहत नीमचोक में एक सभा का आयोजन किया गया जिसमे माननीय श्री मोहन जी नागर उपाध्यक्ष जन अभियान परिषद राज्य मंत्री दर्जा एवं मनासा विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक श्री अनिरुद्ध माधव मारू,भाजपा मंडल अध्यक्ष श्री मदन जी रावत, मनासा क्षेत्र के भाजपा प्रभारी श्री नरेंद्र जी मालवीय, नगर परिषद अध्यक्ष महोदय श्रीमती उर्मिला महेंद्र जी पटवा, अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री महेंद्र जी पटवा, उपाध्यक्ष प्रतिनिधि श्री उज्जवल जी पटवा, विधायक प्रतिनिधि महोदय,मुख्य नगरपालिका अधिकार श्री कमलसिंह परमार सभी पार्षद महोदय,पार्षद प्रतिनिधि जन प्रतिनिधि, जनअभियान परिषद के पदाधिकारी व कार्यकर्ता, आंगनवाडी कार्यकर्ता, गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। नीम चौक बाजार में सभा आयोजन के पश्चात नगर परिषद द्वारा जलगंगा संवर्धन अभियान में चौधरी मोहल्ला में स्थित सास बहू बावडी का सफाई अभियान श्रमदान किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन जन अभियान परिषद के भगवती प्रसाद जी सोनी ने किया कार्यक्रम में समस्त कर्मचारी व सफाई कर्मचारी भी उपस्थित थे।

रेडक्रॉस नीमच में दिव्यांग शिविर सपन्न

नीमच, 07 मई गुरु एक्सप्रेस। जिला प्रशासन द्वारा बुधवार को रेडक्रॉस परिसर में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव के मार्गदर्शन में जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र नीमच द्वारा दिव्यांग शिविर आयोजित किया गया। शिविर में कुल 195 दिव्यांग जनों का पंजीयन किया गया। इनमें अस्थि बाधित के 83, श्रवण बाधित दिव्यांगजनों के 16, मानसिक दिव्यांगजानो के 25,दृष्टि बाधित दिव्यांगजनों के 12 एवं 01 विवाह के संबंध में सामान्य प्रमाण पत्र बनाए गए। कुल 149 दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाए गए गए। रेल्वे के 9 प्रमाण पत्र बनाए गए।

पीएम स्वनिधि के 21 पंजीयन, मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के 4 पंजीयन, 14 बस यात्रा पास,पेंशन के लिए शहरी एवं ग्रामीण 32 दिव्यांग हितग्राहीयो के आवेदन प्रात हुए हैं। इस शिविर में मंदसौर से नाक, कान, गला रोग विशेषज्ञ डॉ.श्री आर के द्विवेदी एवं अस्थि बाधित के डॉ.संजय शर्मा एवं मनासा से दृष्टि बाधित डॉ.किरण बंसल, मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ.कृष्णा कारपेंटर द्वारा दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाये गये एवं कान की जांच सीनियर ऑडियोलॉजिस्ट डॉ. हितेश गायकवाड़ द्वारा की गई।

परमात्मा भाव के भूखे होते हैं धन संपत्ति के नहीं-नागदा

बिसलवास खुर्द में श्रीमद् भागवत कथा प्रवाहित

नीमच, 07 मई गुरु एक्सप्रेस। परमात्मा भाव के भूखे होते हैं धन संपत्ति के नहीं, 84 लाख योनि के बाद मानव जन्म मिला है जब भी समय मिले तो परमात्मा की पूजा भक्ति तपस्या करनी चाहिए इसका फल कभी निष्फल नहीं जाता है यह जीवन में संकट के समय काम आता है। संकट के समय सच्चे मन से यदि भक्त परमात्मा को पुकारता हैं तो वह दौड़े चले आते हैं और संकट से बचा लेते हैं। मारने वाले से बचाने वाला बड़ा होता है। भक्त प्रहलाद की कथा का उदाहरण हमारे सामने है।यह बात भागवत आचार्य पंडित नरेन्द्र नागदा ने कही।वे नीमच जिले के छोटे से ग्राम बिसलवास खुर्द निवासी उमाशंकर श्रीमती कमला नागदा के पुत्र गुणवंत नागदा मेनारिया के सेवानिवृत्ति कार्यक्रमों की पावन उपलक्ष्य में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भगवान भक्त के अधीन होते हैं जो भक्तों की सेवा करता है भगवान उसकी संकट के समय रक्षा करते हैं। जब मनुष्य संसार में संघर्ष कर हार जाता है तो परमात्मा की शरण में परमात्मा उसकी रक्षा करते हैं। जिस प्रकार सरोवर में हाथी का मगरमच्छ पांव पकड़ लेता है तब गजेंद्र अपने परिवार जनों को बुलाता है तो वे नहीं आते है तब वह कहता है प्रभु बचाओ तब परमात्मा उसकी रक्षा करते हैं। हम जैसी करनी करते है वैसा ही है फल मिलता है इसलिए हमें अच्छे पुण्य कर्म करना चाहिए ताकि हमारा पुण्य मजबूत हो सके और संकट के समय हमारी रक्षा हो सके। एक समय में एक ही निर्णय लेने वाला व्यक्ति सफल होता है बार-बार निर्णय बदलने वाला व्यक्ति जीवन में कभी सफल नहीं होता है।लाभ खेती व व्यवसाय में नहीं हमारे पुण्य कर्मो र्से होता है।और नुकसान हमारे पाप कर्मो र्से होता है। खेत में फसल करते समय किसान सर्दी गर्मी बारिश में पुण्य के लिए संघर्ष करने से उसे लाभ मिलता है ।गौसेवा से बढकर कोई धर्म नहीं होता है। मातृ शक्ति को घर परिवार का पालन करना चाहिए। जब जब धरती पर अत्याचार बढ़ते हैं तो परमात्मा अवतार लेते हैं। परिवार की भौतिक सुविधाओं को बढ़ाने के लिए लालच में आकर अनैतिक भ्रष्टाचार और चोरी के करने से भी पिछे नहीं हटता है। समाज में रहना है तो एक दूसरे के सुख-दुख में सहभागी बनना चाहिए। मनुष्य को सदैव अच्छी संगत में रहना चाहिए जैसी संगत करेंगे वैसा ही हमारे जीवन पर प्रभाव होगा। संसार से हताश होते हैं तो देवता की शरण में जाते हैं और देवता हताश होते हैं तो गुरु की शरण में जाना चाहिए। तभी हमारे जीवन का कल्याण हो सकता है।ईश्वर का भजन ही अमृत है। हजारों वर्षो र्की तपस्या के बाद राजा भगीरथ गंगा नदी को धरती पर लाए। मानव का पवित्र भाव गंगा होती है। एकादशी का व्रत करने वाले व्यक्ति के पूर्वजों को नरक गति नहीं मिलती है। छोटा सा अभिमान इंसान के सारे पुण्य कर्म को नष्टकर देता है। मृत्यु शाश्वत सत्य है। ब्राह्मण पुरे संसार की भलाई के लिए कर्म करता है।

श्रीमद्भागवत कथा में पंडित नरेंद्र नागदा ने मोहिनी अवतार, समुद्र मंथन, लक्ष्मी, रम्भा,, कल्पवृक्ष,एरावत हाथी, कौस्तुभ मणि, पारिजात वृक्ष, हर श्रृंगार वृक्ष, वरमाला, धनवंतरी अवतार, सत्यवादी राजा हरिश्चन्द्र,राजा बलि, अश्वत्थामा, हनुमानजी, राजा भागीरथ,

काशी विश्वनाथ,श्री कृष्ण जन्म, त्रिकुट पर्वत, नरसिंह मेहता,नानी बाई रो मायरो कथा, द्वारिका ,राधा श्री कृष्णा खाती,मीराबाई की भक्ति,दक्ष राजा बलि, आदि धार्मिक विषयों के वर्तमान परिपेक्ष के महत्व पर प्रकाश डाला।श्रीमद् भागवत कथा का सीधा प्रसारण सत्संग चिंतन युटुब पर किया जा रहा है।श्रीमद् भागवत कथा पोथी पूजन आरती में निम्बाहेडा के सेवानिवृत्ति प्रधानाचार्य व भारत विकास परिषद निंबाहेडा के अध्यक्ष मांगीलाल मेनारिया,जल सेवक दशरथ मेनारिया, रमेश चंद्र नागदा घसुंडी, मुरली नागदा कानाखेडा, भाजपा जिला महामंत्री ममता नागदा, सुगनाबाई नागदा, सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

फांसी लगाकर युवक ने की आत्महत्या

पिपलियामंडी, 07 मई गुरु एक्सप्रेस। अयोध्या बस्ती में बुधवार शाम 5.30 बजे करीब एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार 81 क्वार्टर के पास निवासरत दशरथ पिता मोहनलाल नायक उम्र 22 वर्ष ने स्वयं के घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पिपलिया मंडी चौकी प्रभारी धर्मेश यादव मौके पहुंचे । शव को नीचे उतरवाया । पीएम के लिए भिजवाया। युवक के आत्महत्या का कारण पता नही चल पाया। चौकी प्रभारी यादव ने बताया कि आत्महत्या का कारण पता नहीं चल पाया है । युवक की शादी 1 वर्ष पूर्व हुई हुई थी। वर्तमान में युवक की पत्नी पीहर थी। पुलिस ने मार्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।

भारत की एयर स्ट्राइक पर विशेष...

ऑपरेशन सिंदूर

मीडिया से मुखातिब
हुई कर्नल सोफिया
25 मिनट में 26
का बदला लिया।
9 ठिकाने 21 कैंप
पाक सरपरस्त
आतंक के किले
हो गए ध्वस्त।
पहलगाम में पति
को किया पत्नी से दूर
भारत ने दिया जवाब
ऑपरेशन सिंदूर।

नंदकिशोर राठौर, मंदसौर

शारदा त्रिपाठी को एक्सीलेंस आईकॉनिक अवार्ड मिलेगा

मंदसौर, 07 मई गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर शहर निवासी श्रीमती शारदा त्रिपाठी ने एडवरटाइजिंग और एंटरटेनमेंट के जगत में अपनी एक अलग ही पहचान बनाई है एडवरटाइजिंग और फिल्म इंडस्ट्री में इनकी शख्सियत बहुत ही महत्वाकांक्षी महिला के रूप में है

खुद की एड कंपनी 2017 में इन्होंने स्थापित की और बहुत से कमर्शियल विज्ञापन का निर्माण और प्रबंध किया साथ ही हिंदी फीचर फिल्म सबवे का निर्माण किया 2022 में जिसमें प्रमुख भूमिका में गोरखपुर सांसद रवि किशन और शारदा त्रिपाठी के सुपुत्र विशाल विशेष ने प्रमुख भूमिका निभाई थी। उत्तराखंड एक्सीलेंसी आइकॉनिक अवॉर्ड के जूरी मेंबर ने आयोजित होने वाले आइकॉनिक अवॉर्ड के लिए शारदा मैडम का नाम दिया है जिसे मंजूर किया गया है। श्रीमती शारदा त्रिपाठी फिल्म प्रोड्यूसर के साथ एक लेखिका भी है। जल्दी इनकी नई फिल्म

पब्लिक का हीरो जल्द आपके नजदीकी सिनेमा में आ रही है जो की सत्य घटना से प्रेरित बताई जा रही है। साथ ही एक ऐसे पुलिस ऑफिसर की कहानी हे जो अपना फर्ज अपनी मौत के बाद भी निभाता है। इंसानी रिश्तों के ताने बाने में बनी फिल्म के ट्रायल शो देहरादून कमेटी ने देखा। और बहुत ही इमोशनल हो गए। हर साल देने वाले सम्मान में शारदा जी पहली मध्यप्रदेश की महिला प्रोड्यूसर लेखिका है जिन्होंने आर्ट और कल्चर में अपने योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा।

आने वाली फिल्म पब्लिक का हीरो में प्रमुख पात्र मिमोह चक्रवर्ती (मिथुन दा के पुत्र), शक्ति कपूर, मिलंद गुनाजी, अली खान, शेखर शुक्ला, शंकर मिश्रा, अलाउद्दीन खान, वर्षा उसगांवकर, विशाल विशेष, ऋषिका सिंह चंदेल, कनिका गाबा, बबलू मुखर्जी (केस्टो मुखर्जी के पुत्र), अरुण बख्शी, राजू खेर, गोरी नागोरी, और बहुत से महारथी है। बहुत बड़ी स्टार कास्ट वाली इस फिल्म में 80 से ज्यादा कैरेक्टर हे अपने आप में इतनी बड़ी स्टार कास्ट का संचालन बहुत ही मुश्किल होता है। पब्लिक का हीरो के गीतों को पार्श्वगायक सुदेश भोसले, साधना सरगम, शान, जैसे सीनियर सिंगर के साथ अल्तमस फरीदी,ऋतु पाठक ,शाहिद माल्या जैसे आज के फेमस सिंगर ने भी आवाज दी है। पूरी फिल्म टीम उत्साहित है शारदा जी को अवार्ड मिलने से आने वाली 24 मई को उन्हें सम्मानित किया जाएगा अपने जमाने की ड्रीम गर्ल कही जाने वाली अभिनेत्री हेमा मालिनी द्वारा हम श्रीमती शारदा त्रिपाठी के इस अवॉर्ड और उपलब्धि के लिए उन्हें दिल से शुभकामनाएं देते है उन्होंने अपने शहर का ही नहीं अपने प्रदेश को भी गौरवान्वित किया है।

✻✻✻ आपरेशन सिंदुर ✻✻✻

मांग रही थी नारी न्याय, आतंकियों का संहार करो।
तरकश से फिर तीर निकलों, दुश्मन पर प्रहार करों।।
मांग का सिंदुर उजाड़ा,टुट गयी सुहागन की चुड़िया।
दिखा दो अब अंजाम इसका ,बांध दो उनकी पुड़िया।।
सुनकर ये चित्कार, संकल्प लिया हाथों हाथ।
दुश्मन के घर में जाकर मारेंगे, अब तो आधी रात।।
नाम किया मिशन का अपने आपरेशन सिंदुर।
बदला लेने का जोश,चाहें दुश्मन कितना सुदुर।।
मचा दिया तहलका, दुश्मन देश में आधी रात।
एक के बाद एक वार,भारत की सेना की क्या बात।।
नारी पर जो आंच आये, अन्याय सहन नहीं होगा।
इतिहास देख लो, नारी का अपमान वहन नहीं होगा।।
जो भारत की बेटी,बहु के सुहाग पर निशाना दागेगा।
ऐसे अत्याचारियों का नाश करने फौलादी खुन जागेगा।।
आपरेशन सिंदुर ने अब एक नया अध्याय जोड़ दिया।
दुश्मन के घर में घुसकर उसको रातों रात फोड़ दिया।।
'जय हिंद ,जय हिंद की सेना'

बलवंतसिंह हाड़ा

जन भागीदारी से ही जल संरक्षण संभव है-नागर

कुकड़ेश्वर की बावड़ी में किया गया स्वच्छता श्रमदान

नीमच, 07 मई गुरु एक्सप्रेस। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत म.प्र. जन अभियान परिषद विकासखण्ड मनासा द्वारा प्रेरणादायक पहल करते जल संरक्षण जागरूकता रैली का आयोजन कर कुकड़ेश्वर के चौधरी मोहल्ला वार्ड क्रमांक तीन स्थित प्राचीन बावड़ी में स्वच्छता श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में म.प्र.जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष (राज्यमंत्री दर्जा) श्री मोहन नागर, विधायक मनासा श्री अनिरूद्ध माधव मारू, विशेष अतिथि न.प.अध्यक्ष श्रीमती उर्मिला, श्री महेन्द्र पटवा, श्री विजय शर्मा, श्री मदन रावत, श्री नरेंद्र मालवीय एवं जनप्रतिनिधियों, जिला समन्वयक वीरेन्द्र सिंह ठाकुर, विकासखण्ड समन्वयक श्री महेन्द्र पाल सिंह भाटी ने स्वच्छता श्रमदान कर बावड़ी के प्राचीन वैभव को लौटाने में योगदान दिया।

जन अभियान परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री मोहन नागर ने जल संरक्षण पर मार्गदर्शन देते हुए कहा, कि मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव द्वारा जल स्रोतों के संरक्षण, स्वच्छता और जागरूकता की दृष्टि से शुरू किया गया जल गंगा संवर्धन अभियान अत्यंत महत्वपूर्ण अभियान है। उन्होने कहा, कि जब हम घर बनाते हैं, तो घर में एक स्थान पूजा का, एक स्थान जल का बनाते हैं। उसी प्रकार हमें वरुण देवता का स्थान भी बनाना चाहिए। घर बनाते समय हमें एक आठ बाय छह का गड्ढा बनाकर उसमें बोल्ड और रेत को डालना चाहिए जिससे कि हमारे घर की छत का वर्षा का जल उस गड्ढे के माध्यम से जमीन में चला जाए। इससे जल स्तर में सुधार होगा। हम सभी गांव में पहाड़ों या उंचे स्थायनों पर कंटूर ट्रेंच बना कर, खेत पर मेड बंधान, नदियों के स्टॉप डैम पर पानी रोकने का कार्य करें, जिससे धीरे-धीरे गांवों में जलस्तर बढने लगेगा, इस तरह के प्रयासों को जन-जन तक पहुँचाकर जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाया जाना चाहिए। उन्होने कहा, कि जन जागरूकता एवं जन भागीदारी से ही जल संरक्षण संभव है। विधायक श्री अनिरूद्ध मारू ने जल संरक्षण के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा चलाये जा रहे अभियान में अधिकाधिक जन सहभागिता करने के लिए अपील की। उन्होने कहा, कि हम जल संरक्षण कर स्वयं एवं दूसरों का भी जीवन संरक्षित कर रहे है, जो कि एक पुण्य का काम है, जल संरक्षण केवल एक सरकारी या सामाजिक संगठन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि यह हर नागरिक का कर्तव्य है। कार्यक्रम को न.प.अध्यक्ष श्रीमती उर्मिला महेन्द्र पटवा ने भी संबोधित किया। स्वच्छता श्रमदान में संरक्षक श्री महेन्द्र पटवा, श्री युगल व्यास, श्री उज्ज्वल पटवा, श्री लोकेश तुगनावत, श्री जगदीश जगोलिया, श्री लोकेश मोदी, श्री संजय मारू सहित नवांकुर, प्रस्फुटन समितियों, मुख्यमंत्री नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के विद्यार्थी एवं परामर्शदाता, स्वैच्छिक संगठन के पदाधिकारियों, समाजसेवियों एवं आम नागरिकों ने सहभागिता की।

सीबीएन की सोनी में दबिश, बड़ी मात्रा में सीपीएस का डोडाचूरा बरामद

पिपलियामंडी, 07 मई गुरु एक्सप्रेस। गांव सोनी में सीबीएन की टीम ने एक मकान पर दबिश देकर बड़ी मात्रा में सीपीएस का डोडाचूरा बरामद किया। जानकारी के अनुसार मुखबिर की सूचना पर बुधवार को सीबीएन की टीम गांव सोनी में राजेन्द्रसिंह पिता कमलसिंह के घर पहुंची। यहां सीपीएस का डोडाचूरा बरामद हुआ। करीब 35 कट्टों में भरा डोडाचूरा टीम ने जब्ती में लिया है। हांलाकि अभी तक टीम ने कितना डोडाचूरा पकड़ा, इसका खुलासा नही किया। बताया गया टीम पहुंची उससे पहले राजेन्द्रसिंह फरार हो गया था।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	31	2036	2259
उडद	4	4680	6300
सोयाबीन	3056	3651	4400
गैहु	6000	2300	2801
चना	444	5345	5615
मसुर	50	6001	6240
धनिया	129	5900	8102
लहसुन	15000	3100	9500
मैथी	950	3800	5365
मुंगफली	335	4525	5095
अलसी	965	6511	7301
सरसो	261	5501	5933
तारामीरा	15	5151	5151
इसबगोल	125	7799	12200
प्याज	1242	350	961
कलोंजी	12	13299	20800
तुलसी बीज	5	12400	14800
डॉलर	61	7301	8499
तिल्ली	7	6300	7000
जौ	0000	0000	0000
मटरसुखी	1	3200	3200
असालीया	18	6491	6650
चियाबीज	56	11500	15030

रोहित शर्मा ने टेस्ट से सन्यास लिया

इंग्लैंड दौरे पर कप्तानी से हटाए जाने की अटकलें थीं; वनडे खेलना जारी रखेंगे

नईदिल्ली, 07 मई। रोहित शर्मा ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर स्टोरी शेयर कर रिटायरमेंट की जानकारी दी। टी-20 से पहले ही संन्यास ले चुके रोहित वनडे खेलना जारी रखेंगे। बुधवार शाम को रिपोर्ट्स आई थीं कि उन्हें इंग्लैंड दौरे पर टेस्ट कप्तानी से हटाया जाएगा, जिसके बाद उन्होंने रेड बॉल क्रिकेट को अलविदा कह दिया।

रोहित बोले- सपोर्ट के लिए धन्यवाद–रोहित शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर स्टोरी शेयर करते हुए लिखा, 'हैलो, मैं सभी को बताना चाहता हूं कि मैं टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट ले रहा हूं। रेड बॉल क्रिकेट में देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए गौरव का पल रहा। प्यार और सपोर्ट के लिए सभी का धन्यवाद। मैं वनडे फॉर्मेट खेलना जारी रखूंगा।'

रोहित ने 12 टेस्ट शतक लगाए–रोहित ने भारत के लिए 2013 में टेस्ट डेब्यू किया। वे 2021 के दौरान प्लेइंग-11 में अपनी जगह पक्की कर सके और 2022 में उन्हें कप्तानी भी मिल गई। भारत के लिए 67 टेस्ट में उन्होंने 40.57 की औसत से 4301 रन बनाए, लेकिन घर से बाहर उनका औसत गिरकर 31.01 पर पहुंच गया। ऑस्ट्रेलिया में रोहित का औसत 24.38 और साउथ अफ्रीका में 16.63 का ही रहा। हालांकि इंग्लैंड में उन्होंने 44.66 की औसत से रन बनाए। वे पिछले दौरे पर ओपनिंग करते हुए शतक भी लगा चुके थे। रोहित के रिटायरमेंट के बाद अब यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल इंग्लैंड में ओपनिंग करते नजर आ सकते हैं।

न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ फ्लॉप रहे थे रोहित–रोहित न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछली टेस्ट सीरीज में बैट से बुरी तरह फ्लॉप रहे। वे न्यूजीलैंड के खिलाफ 15.16 और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 6.20 की औसत से ही रन बना सके। एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, सिलेक्टर्स ने फैसला कर लिया था कि रोहित की इस फॉर्म के साथ उन्हें कप्तानी की जिम्मेदारी नहीं दी जा सकती। इंग्लैंड दौरे के लिए अब टीम इंडिया नया टेस्ट कप्तान चुनेगी। ऑस्ट्रेलिया में पिछले दौरे पर रोहित ने शुरुआती मैचों में ओपनिंग नहीं की थी। यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने ओपनिंग करते हुए सीरीज में बेहतरीन प्रदर्शन किया था। रोहित पहला टेस्ट नहीं खेल सके थे। वे दूसरे टेस्ट की प्लेइंग-11 का हिस्सा बने, लेकिन मिडिल ऑर्डर में ही बैटिंग करने के लिए उतरे। भारत ने तब जसप्रीत बुमराह की कप्तानी में पहला टेस्ट जीता, लेकिन रोहित की कप्तानी में 2 मुकाबले गंवा दिए। सिडनी में रोहित ने आखिरी टेस्ट नहीं खेला और अब रिटायरमेंट भी ले लिया।

रोहित कप्तानी जारी रखने की इच्छा जता चुके थे–रोहित ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क के साथ एक पॉडकास्ट में कप्तानी जारी रखने की इच्छा जता चुके थे। रोहित ने कहा था कि वे इंग्लैंड में बुमराह, शमी और सिराज के पेस अटैक को लीड करने के लिए उत्साहित हैं। माना जा रहा है कि सिलेक्टर्स से बातचीत के बाद उन्होंने इस फॉर्मेट को अलविदा कहा।

गंभीर ने कहा था– रोहित का फैसला सिलेक्टर्स पर–हेड कोच गौतम गंभीर ने भी 6 मई को कहा था कि रोहित के भविष्य का फैसला सिलेक्शन कमेटी ही करेगी। उन्होंने ABP न्यूज के 'इंडिया एट 2047' समिट में कहा, 'मेरा काम टीम सिलेक्ट करना नहीं है। कोच के हाथ में बस प्लेइंग-11 सिलेक्ट करने का अधिकार होता है। किसी सीरीज या टूर्नामेंट के लिए टीम सिलेक्ट करना सिलेक्शन कमेटी के हाथ में रहता है।

टी-20 से पिछले साल ही संन्यास ले लिया था–रोहित ने भारत को 2024 का टी-20 वर्ल्ड कप जिताने के बाद सबसे छोटे फॉर्मेट से संन्यास ले लिया था।

जस्टिस यशवंत वर्मा इस्तीफा दें या सजा का सामना करें, केश मामले में कमेटी ने चीफ जस्टिस को सौंपी रिपोर्ट

नई दिल्ली, 07 मई। सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त इन-हाउस जांच समिति ने भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। रिपोर्ट में 14 मार्च की रात को आग लगने के दौरान हाई कोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा के आवास पर नकदी पाए जाने की पुष्टि की है। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) के निर्देश पर जस्टिस यशवंत वर्मा को यह रिपोर्ट भेजी गई है। जस्टिस वर्मा को निष्कर्षों पर प्रतिक्रिया देने के लिए दो दिन का समय दिया गया है। यह समझा जाता है कि ऐसा प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप किया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आगे की कार्रवाई करने से पहले न्यायमूर्ति वर्मा को जवाब देने का उचित अवसर दिया जा सके।

जस्टिस वर्मा को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के पद से इस्तीफा देने का विकल्प दिया गया है। यदि वे इस्तीफा देने से इनकार करते हैं तो उनके खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया शुरू करनी पड़ सकती है। उम्मीद है कि जस्टिस वर्मा सप्ताह के अंत तक सीजेआई के समक्ष अपना जवाब पेश करेंगे। महत्वपूर्ण बात यह है कि सीजेआई संजीव खन्ना जो अगले सप्ताह सेवानिवृत्त हो रहे हैं, पद छोड़ने से पहले भविष्य की कार्यवाही के बारे में निर्णय लेने का इरादा रखते हैं। यह निवर्तमान सीजेआई द्वारा लिए जाने वाले अंतिम बड़े निर्णयों में से एक होने की उम्मीद है। सोमवार की कार्यवाही से पहले सीजेआई ने सुप्रीम कोर्ट के जजों से भी मुलाकात की। संभावना है कि इस बैठक के दौरान जजों को रिपोर्ट के निष्कर्षों के बारे में बताया गया होगा। इस बड़ी रिपोर्ट में 14-15 मार्च की घटना का तथ्यात्मक घटनाक्रम शामिल है। जिसमें जस्टिस वर्मा के आवास पर आग लगने की समय-सीमा, नकदी की खोज व आपातकालीन सेवाओं की प्रतिक्रिया का विवरण दिया गया है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि घटना के दौरान कौन-कौन मौजूद था। इस पैनल ने जस्टिस वर्मा, उनके स्टाफ, अग्निशमन अधिकारियों और पुलिस अधिकारियों के बयान दर्ज किए गए। जिनमें दिल्ली अग्निशमन सेवा प्रमुख व दिल्ली उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार भी शामिल थे, जो आग लगने के दौरान वहां पहुंचे थे।

अब भारत का एक बूंद पानी भी नहीं देगें-मोदी

नई दिल्ली, 07 मई। भारत ने आधी रात के बाद पाकिस्तान व पाकिस्तान अधिकृत जम्मू कश्मीर में आतंकवादी ढांचे को निशाना बनाते हुए आपरेशन सिंदूर चलाया। भारतीय सेना ने बताया कि भारत ने उन आतंकी ढांचों को निशाना बनाया जहां से भारत के खिलाफ आतंकवादी हमलों की योजना बनाई गई और उन्हें अंजाम दिया गया। इसमें कहा गया है कि कुल मिलाकर नौ स्थलों को निशाना बनाया गया है। हमले से पहले ही पीएम मोदी ने कहा था कि कहा कि अब भारत का पानी देश के बाहर नहीं बहेगा, किसी को भी एक बूंद पानी नहीं देगें।

उन्होंने पानी के मुद्दे पर जारी चर्चा का हवाला देते हुए पाकिस्तान के खिलाफ भारत के कदम का संकेत दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले भारत के हक का पानी भी बाहर जा रहा था। अब भारत का पानी, भारत के हक में रहेगा। भारत के हक में रुकेगा। और भारत के ही काम आएगा। हालांकिए मोदी ने पाकिस्तान का कोई सीधा संदर्भ नहीं दिया या आतंकवादी हमले के बाद दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव पर कोई अन्य टिप्पणी नहीं की। पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर हमला होने से पहले पीएम मोदी ने पाकिस्तान को बूंद भर पानी न देने की बात कहीं थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत का पानी अब देश के बाहर नहीं बहेगा। बल्कि इसका उपयोग राष्ट्र के हित में किया जाएगा। प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर सिंधु जल संधि स्थगित किए जाने के स्पष्टसंदर्भ में पाकिस्तान पर केंद्रित थी। मोदी ने नदियों को आपस में जोडने पर अपनी सरकार के कदमों को रेखांकित किया और कहा कि पानी कभी राज्यों के बीच संघर्ष का स्त्रोत हुआ करता था। प्रधानमंत्री ने कहा कि अब जब लोग देश को देखते हैंए तो वे गर्व से कह सकते हैं कि लोकतंत्र में परिणाम मिल सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार जीडीपी-केंद्रित दृष्टिकोण से आगे बढ़कर सकल जन सशक्तीकरण (जीईपी) पर आधारित प्रगति की ओर बढ़ रही है। नदियों को आपस में जोडने के लिए किए गए कार्यों के बारे में मोदी ने चुटकी लेते हुए कहा कि इन दिनों मीडिया में पानी पर गहन चर्चा हो रही है। प्रधानमंत्री ने कहा इससे पहले जो पानी भारत के हक का था वह भी देश से बाहर जा रहा था। अब भारत का पानी देश के हित में बहेगा और देश के काम आएगा।

दुर्गा वाहिनी कार्यक्रम में दिया मार्गदर्शन

मंदसौर, 07 मई गुरु एक्सप्रेस। विश्व हिंदू परिषद दुर्गा वाहिनी शौर्य प्रशिक्षण वर्ग षट्दिवस में श्रीमती माला दीदी ठाकुर प्रांत उपाध्यक्ष, ज्योतिप्रिया शर्मा प्रांत संयोजिका वर्ग प्रमुख मंच पर उपस्थित रहे।आज दीदी ने राष्ट्र निर्माण में बहनों की भूमिका विषय पर मार्ग दर्शन किया।दीदी ने बताया की हमारे देश में कई वीरांगनाएं हुई है जिन्होंने बहुत ही कम उम्र में देश के लिए,समाज के लिए, राष्ट्र निर्माण के लिए बलिदान किया है। उसी प्रकार आज भी बहनों को देश में व्याप्त बुराइयों का सर्वनाश करने के लिए वीरांगना का रूप धारण करने की आवश्यकता है।बहने हर क्षेत्र में सामाजिक ,राजनैतिक, आर्थिक हर जगह राष्ट्र निर्माण में अग्रसर रही है।हम कैसे समाज का परिवार का देश का अपनी संस्कृति का निर्माण कर सकते है तो हम जो एक दिग्विजय भारत की कल्पना हम कर रहे है बो निश्चित ही तय है।मंच का संचालन मानसी उपाध्याय ने किया उक्त जानकारी विश्व हिंदू परिषद जिला मंत्री हेमन्त बुलचन्दानी ने दी

वही साहित्य अमर होता है जिसमें समाज का उत्थान निहित हो

मंदसौर, 07 मई गुरु एक्सप्रेस। अगर लेखक की लेखनी से समाज का भला नहीं होता है तो ऐसा लिखना सिर्फ कागज रंगने जैसा है। ये विचार क्षेत्र के प्रमुख कवि प्रमोद रामावत में व्यक्त किये। वे अपने जन्मदिन के अवसर पर प्रबुद्ध जनों द्वारा आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वही साहित्य अमर होता है जिसमें समाज का उत्थान निहित है। प्रेमचंद कालखंड में अनेक साहित्यकार हुए उनमें से प्रेमचंद ही सर्वाधिक पाठ्यक्रम का भाग बने। प्रमोद रामावत ने उभरते कवियों से कहा कि वे समाज को केंद्र में रखकर लिखेंगे तो उनका लेखन अर्थ पूर्ण होगा। इस अवसर पर उन्होंने कई रचनाओं का पाठ किया। मालवा अंचल में साहित्य , कला संस्कृति के संरक्षक नरेंद्र सिंह सिपानी ने अपना उद्बोधन में कहा कि प्रमोद रामावत की उर्दू और हिंदी पर समान रूप से पकड़ रही है। वे दोनों भाषाओं के सच्चे प्रतिनिधि हैं। श्री रामावत की लेखनी समाज को प्रेरित करती है। वरिष्ठ पत्रकार घनश्याम बटवाल ने कहा कि श्री रामावत अपनी लेखनी से जो कटाक्ष करते हैं उनसे समाज को नई दिशा मिलती है। फिल्मकार प्रदीप शर्मा ने श्री रामावत की पुस्तक सपने छू मंतर की समीक्षा करते हुए उसके भाव पक्ष को सामने रखा।

प्रगतिशील लेखक संघ के असअद अंसारी ने श्री रामावत के प्रकाशित नौ संकलनों का जिक्र करते हुए पुस्तक सहने की भी हद होती है पर विचार व्यक्त किये उन्होंने श्री रामावत को उद्धारित करते हुए कहा कि काश हम से कोई धर्म छीन ले। फिर हम हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई की जगह दुनिया भर में सब इंसान ही बचे रहेंगे श्री अंसारी ने अपने अशआर सुनाते हुए कहा कि आंसुओं आँख की दहलीज पे आया न करो, दिल के हालात जमाने को बताया ना करो। वरिष्ठ पत्रकार बृजेश जोशी ने कहा कि समाज में मूल्य और संस्कार का प्रभाव साहित्य के माध्यम से होता है। श्री रामावत इसी आधार पर लेखन करते हैं। जावरा के शायर फजल हयात ने अपनी ग़ज़ल में कहा कि वो आग लगाकर आए दूर तलक, वो आग अब उनके घर तक आ गई है। युवा शायर डीजे सिंह तथा मनी शामगढ़ वाला ने रचना पाठ किया। राजकुमार अग्रवाल ने गीत और भजनों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर सुनील व्यास, संजय भारती, पत्रकार नवीन जैन ,डॉ.रामराज सैन ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन संगीत महाविद्यालय जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष नरेंद्र त्रिवेदी ने किया। आभार माना इंजीनियर सुनील व्यास ने।

ग्वाला समाज का सामूहिक गंगा पूजन कार्यक्रम 18 को

मंदसौर, 07 मई गुरु एक्सप्रेस। श्रीकृष्ण ग्वाला गवली समाज मंदसौर द्वारा आगामी 18 मई को सामूहिक गंगा पूजन का आयोजन किया जाएगा। दो दिवसीय गंगा पूजन आयोजन की तैयारियां चल रही हैं। इस दिव्य आयोजन में समाज के 15 से अधिक दिवंगत जनों सामूहिक गंगा पूजन किया जाएगा। यह द्वितीय अवसर हैं जब मंदसौर में ग्वाला समाज द्वारा सामूहिक गंगा पूजन का भव्य आयोजन किया जा रहा हैं। समाज के पटेल श्री प्यारेलाल बानिया, दिवान श्री तुलसीराम कछवाये एवं श्री कल्लुराम थम्मार ने बताया की 18 मई को आयोजित होने वाले सामूहिक गंगा पूजन के आयोजन को लेकर सभी तैयारियां पूरी की जा रही हैं। आयोजन में 17 मई को सभी छावनियों से मेहमानों का आगमन होगा। दूसरे दिन 18 मई की सुबह 9 बजे श्री देवनारायण मंदिर धनगर मोहल्ला पतवारी से कलश यात्रा निकलेगी। कलश यात्रा शहर के विभिन्न मार्गो से होते हुए आयोजन स्थल संजय गांधी उद्यान पहुंचेगी। संजय गांधी उद्यान में सुबह 11 बजे पिण्डदान होगा। दोपहर 12.30 बजे सामूहिक गंगा पूजन किया जाएगा इसके पश्चात गंगा प्रसादी आयोजन प्रारंभ होगा। अब तक करीब 15 दिवंगतजनों के सामूहिक गंगा पूजन के लिये सहमति प्राप्त हुई हैं। समाजजनों से आयोजन में सहभागिता करने की अपील की गई हैं।

जिला पंचायत साधारण सभा की बैठक 16 को

मंदसौर, 07 मई गुरु एक्सप्रेस। जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा बताया गया कि जिला पंचायत मंदसौर की साधारण सभा की बैठक 29 अप्रैल 25 को श्रीमती दुर्गा डॉ. विजय पाटीदार अध्यक्ष, जिला पंचायत मंदसौर की अध्यक्षता मे आहूत की गई थी, जो माननीय मुख्यमंत्री म.प्र. शासन के मंदसौर जिले मे प्रस्तावित दौरा कार्यक्रम होने के कारण से स्थगित गई थी, उक्त बैठक पुन: 16 मई 2025 को समय दोपहर 01 बजे स्थान जिला पंचायत मंदसौर के सभा कक्ष मे आहूत की गई है। बैठक का एजेण्डा पूर्वत: रहेगा।

कोई भी किसान स्लॉट बुकिंग से वंचित नहीं रहे, सभी किसानों का किया जाए गेंहू उपार्जित-मुख्यमंत्री

मंदसौर, 07 मई गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि यह सुनिश्चित किया जाए कि गेंहू उपर्जान के लिए कोई भी किसान स्लॉट बुकिंग से वंचित नहीं रहे और बुकिंग वाले सभी किसानों का गेंहू उपार्जित किया जाए। किसानों को कोई परेशानी न हो इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए। उपार्जन केंद्रों पर किसी प्रकार की अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अब तक 8 लाख 87 लाख से हजार से अधिक पंजीकृत किसानों से 76.60 लाख मैट्रिक टन गेंहू उपार्जित हुआ है। किसानों को 5 मई तक 16 हजार 472 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम पिछले वर्ष का रिकार्ड तोड़ते हुए इस वर्ष 81 लाख मैट्रिक टन गेंहू उपार्जन लक्ष्य की ओर अग्रसर हैं। यह प्रदेश के किसानों की कड़ी मेहनत का परिणाम है। इस उपलब्धि के लिए प्रदेशवासियों को अन्नदाताओं पर गर्व है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रबी उपार्जन अंतर्गत गेहूं उपार्जन की समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में समीक्षा कर रहे थे। बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) डॉ. राजेश राजौरा उपस्थित थे। बैठक में जानकारी दी गई कि वर्ष 2025-26 में 34 लाख 93 हजार एकड़ रकबे में हुए गेंहू उपार्जन के लिए 15 लाख 44 हजार किसानों द्वारा पंजीयन कराया गया। प्रदेश में 3 हजार 620 उपार्जन केंद्र स्थापित किए गए। स्लॉट बुकिंग से शेष किसानों की बुकिंग के लिए पोर्टल पर सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इन किसानों से गेंहू का उपार्जन 9 मई तक किया जाएगा।

जल गंगा संवर्धन अभियान तहत कुएं के रिचार्ज के लिए गड्ढे का किया जा रहा निर्माण

मंदसौर, 07 मई गुरु एक्सप्रेस। जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान लगातार किया जा रहा है। यह अभियान लगातार 30 जून तक संचालित होगा। यह अभियान जन-जन के जीवन से जुड़ा महत्वपूर्ण अभियान है। अभियान के अंतर्गत जहां एक ओर मनरेगा से नये तालाब बनाये जा रहे है, वहीं दूसरी ओर पुराने तालाबों, बावड़ियों और कुँओं का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। साथ ही वृक्षारोपण भी किया जा रहा है। नदियों को साफ-स्वच्छ एवं जल एकत्रित करने के लिए भी कार्य किए जा रहे हैं। इसी अभियान के तहत जिले में कुएं के रिचार्ज के लिए गड्ढे का निर्माण किया जा रहा है।

अभियान को सभी के सहयोग से जन आंदोलन के रूप में जिले के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में चलाया जा रहा है। अभियान में जल संरक्षण के साथ ही वृक्षारोपण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अभियान के तहत शुरूआत में ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व वाले तालाबों, जल स्रोतों तथा देवालयों में जल संरक्षण के कार्य किये जा रहे हैं। यह जन प्रतिनिधियों, स्थानीय समुदाय, जनभागीदारी, आमजन और सरकार के संयुक्त प्रयास से संचालित हो रहा है। जिसमें मशीन, सामग्री व श्रम का समुचित नियोजन किया गया है। इस अभियान के माध्यम से जल संरक्षण संबंधी विभिन्न कार्यों की शुरूआत की गई है। नदी-नालों एवं तालाबों की साफ-सफाई की जा रही है। इसके साथ ही कुएं, बावड़ियों से गाद निकालने का भी कार्य किया जा रहा है। जिले के नगरीय एवं ग्रामीण अंचलों में जन सहयोग से जल संरचनाओं की साफ-सफाई एवं जीर्णोद्धार का कार्य किया जा रहा है। जन अभियान परिषद के माध्यम से गांव-गांव में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

बग्घी में निकली ठाकुर जी की बारात, खूब नाचे भक्त, हुआ तुलसी विवाह

कुचड़ोद, 07 मई गुरु एक्सप्रेस। कारुराम कुमावत के घर बुधवार को ठाकुर जी की बारात बग्घी में निकली। गाजे-बाजे, ढोल और डीजे के साथ बारात में सैकड़ों लोग शामिल हुए। बारात सुबह 10 बजे राम जानकी मंदिर से शुरु हुई। रास्ते में श्री चारभुजा नाथ मंदिर, खेड़ापति हनुमान चौक, सदर बाजार, जैन मंदिर, पंच कुमावत समाज मंदिर, कुंडेल चौक, पीपल चौक, कल्पवृक्ष चौराहा, महादेव मठ, शीतला माता मंदिर और बस स्टैंड होते हुए कारुराम कुमावत के घर पहुंची।

बारात में पुरुष, महिलाएं, युवा और बच्चे ढोल की थाप पर नाचते हुए चले। जगह-जगह पुष्प वर्षा और माला से स्वागत हुआ। बारात को घर पहुंचने में चार घंटे लगे। बस स्टैंड पर कांकड़ खेजड़ी काटने की परंपरा निभाई गई। घर के बाहर ठाकुर जी और बारातियों का स्वागत पुष्प माला से किया गया। कारुराम ने बताया कि उनके दो बेटे हैं, बेटी नहीं है। बेटी के विवाह की इच्छा थी। इसलिए पोते बनवारी की शादी के साथ तुलसी विवाह करने का निर्णय लिया। विवाह विधि विधान से हुआ। तुलसी माता को बेटी की तरह विदा किया गया। बारातियों और रिश्तेदारों के भोजन की व्यवस्था पंच कुमावत धर्मशाला में की गई। तुलसी माता एवं ठाकुर जी के विवाह के दौरान सैकड़ो भक्तज,न कुमावत समाजजन एवं रिश्तेदार मौजूद रहे।

नेशनल लोक अदालत का आयोजन 10 को

मंदसौर, 07 मई गुरु एक्सप्रेस। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता चावला मुख्य नगर पालिका अधिकारी से सुधीर कुमार सिंह सभापति श्रीमती कौशल्या बंधवार व द्वारा प्रेस नोट में बताया गया कि शासन निर्देशानुसार राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन दिनांक 10 मई 2025 शनिवार को किया जा रहा है जिसके तहत नगर पालिका कार्यालय मंदसौर में शिविर का आयोजन कर संपत्तिकर समेकित कर जलकर एवं उपभोक्ता प्रभार की अधिभार राशि में पेनल्टी में नियमानुसार छूट प्रदान की जावेगी। अत: ऐसे करदाता जिनके द्वारा पूर्व में किसी लोग अदालत में छुट का लाभ नहीं लिया है वह नगर पालिका में आकर उक्त छुट का लाभ लेवे।

मप्र शिक्षक संघ के प्रतिनिधि मंडल ने भेंट की

भोपाल, 07 मई गुरु एक्सप्रेस। निशुल्क एवं बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के अंतर्गत स्कूल शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश शासन द्वारा छात्र शिक्षक बढ़ाकर प्राथमिक विद्यालयों हेतु न्यूनतम 2 पद 61 से 90 छात्र संख्या पर 3 पद 90 से 120 पर 3 पद माध्यमिक विद्यालयों हेतु न्यूनतम 3 पद एवं दर्ज संख्या 135 से अधिक होने पर प्रत्येक 35 छात्रों पर 1-1 अतिरिक्त विषय शिक्षक स्वीकृत किये गए थे।

परंतु विभाग द्वारा उक्त आदेश में मनमाने ढंग से परिवर्तन कर 5 परिशिष्ट जोड़कर शिक्षक छात्र अनुपात बढ़ा दिया गया है। प्राथमिक विद्यालयों हेतु छात्र संख्या 75 पर 2 शिक्षक 75 से अधिक होने पर 3 शिक्षक 105 से अधिक होने पर 4 शिक्षक 135 से अधिक होने पर 5 शिक्षक एवं 150 छात्र संख्या होने पर 5 शिक्षक तथा एक प्रधानाध्यापक का प्रावधान कर इसी प्रकार माध्यमिक विद्यालयों हाई स्कूलों एवं हायर सेकेंडरी शालाओं में भी छात्र शिक्षक अनुपात मनमाने ढंग से बढ़ा दिया है। इस कारण पूरे प्रदेश के विद्यालयों में अतिशेष शिक्षकों की संख्या बढ़ गई ओर शिक्षकों पर स्थानांतरण का भय व्याप्त हो गया। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के प्रांताध्यक्ष डॉ. क्षत्रवीर सिंह राठौर , प्रांतीय महामंत्री राकेश गुप्ता एवं प्रांतीय कोषाध्यक्ष विनोद कुमार पूनी ने इस गंभीर विषय को तत्काल स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. संजय गोयल के सम्मुख मंत्रालय भोपाल में उपस्थित होकर के पत्र सौंपा । डॉ संजय गोयल ने संघ के ज्ञापन को गंभीरता से लेते हुए तत्काल आयुक्त श्रीमती शिल्पा गुप्ता को फोन लगाकर नवीन पद संरचना के आदेश को निरस्त करने हेतु निर्देशित करते हुए आश्वस्त किया कि निशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के अनुसार ही पद संरचना एवं छात्र शिक्षक अनुपात मान्य किया जावेगा और अतिशेष के कारण शिक्षक ,शिक्षिका को सीनियर जूनियर का डर दिखाकर प्रताड़ित नहीं किया जावेगा। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ ने बोर्ड परीक्षाओं में पिछले साल की तुलना में अधिक परिणाम देने पर सचिव महोदय को बधाई दी और अभिनंदन किया। डॉ संजय गोयल ने कहा कि बोर्ड परीक्षाओं के श्रेष्ठपरिणाम हेतू शिक्षक ही बधाई के पात्र है ,उनके ही परिश्रम के कारण श्रेष्ठपरिणाम आए हैं। यह सब शिक्षकों की मेहनत से ही संभव हुआ है । माननीय शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह को इंदौर प्रवास के पूर्व कल दिनांक 5 मई 2025 को इंदौर प्रवास के पूर्व संगठन के प्रांताध्यक्ष डॉ. क्षत्रवीर सिंह राठौर ने प्रत्यक्ष मंत्रालय में भेंटकर अतिशेष प्रक्रिया को समाप्त करने और चतुर्थ समयमान, वेतनमान की संक्षेपिका को कैबिनेट में जाने और स्वीकृत कराने का आश्वासन दिया । इससे संघ आश्वस्त है कि शीघ्र ही चतुर्थ समयमान के आदेश प्रसारित हो जाएंगे।

✻ संयुक्त उठावना ✻

भंवरलाल,मणिलाल के बड़े भाई सा ,मनीष ,अनिल,हंसकुमार,नितिन के बड़े पापा , सौरभ के पूज्य पिताजी एवं स्व सोहनलाल जी , धूलचंद , शांतिलाल , बसंतीलाल, स्व माणकलाल जी के बहनोई सा व विजय , विनय के फूफा सा. सुश्रावक श्री बाबूलाल जी जैन नगरीवाला (सुपुत्र: स्व मोती लाल जी जैन नगरीवाले) ने दिनांक 07.05.2025 को समता भाव से शरीर त्याग कर अविनाशी आत्मा की यात्रा आरंभ की। उनकी पवित्र आत्मा के मोक्षमार्ग पर गतिमान होने की प्रार्थना के साथ उठावना दिनांक 09.05.202, वार : शुक्रवार, समय: प्रात: 10:00 बजे, स्थान: माहेश्वरी धर्मशाला, नयापुरा रोड मंदसौर पर रखा गया है।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻
भंवरलाल , मणिलाल , सौरभ जैन (नगरी वाला परिवार) मंदसौर
विजय, विनय जैन (धुंधडका)
शोक बैठक-दिनांक 08.05.25 से 11.05.25 तक निज निवास मोती सदन रोम टावर के पास मंदसौर समय 7.30 से 9.30

✻ नाम परिवर्तन ✻

मैं सैफुद्दीन कडाडिया यह घोषणा करता हूँ कि मैंने अपना नाम सैफुद्दीन कपाडिया रख लिया है।

अब से और भविष्य में मुझे मेरे नए नाम सैफुद्दीन कपाडिया से ही जाना जाएगा।

पता-ए-69, फातिमा मंजिल, 15 बुरहानी नगर, मंदसौर (म.प्र.) 458001

✻✻✻ नाम परिवर्तन ✻✻✻

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व मे मेरा नाम TASNEEM CYCLEWALA D/O SAFDARALI **था जिसे मैने परिवर्तन कर** TASNEEM HUSAMI W/O ABDUL QUADAR HUSAMI **रख लिया है तथा मुझे अब इसी नाम से ही जाना - पहचाना जावे।**

TASNEEM HUSAMI W/O ABDUL QUADAR HUSAMI
ADDRESS - TEHSIL ROAD, SUWASRA - 458888

राजकुमार गुप्ता, एड०होकेट

कार्यालय व निवास-207 तिरूपति नगर, होटल सम्राट के सामने पानी की टंकी के पास स्टेशन रोड, मंदसौर (मप्र)-458001Mobile No-98260-58658 E-Mail-rkguptamds@gmail.com

क्रमांक 167/2025 दिनांक 03.05.2025

✻✻✻ जाहिर सूचना ✻✻✻

सर्व साधारण को इस जाहिर सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा सूर्यपालसिंह पिता गोर्धनसिंह राजपूत निवासी-ग्राम रानाखेड़ा, तहसील व जिला-मंदसौर से आवासीय मकान जो भूमि सर्वेक्षण क्रं. 407(बी), भूखंड क्रं. 240(पी) प.ह.नं. - 00121 पर दर्ज होकर पता-ग्राम रानाखेड़ा, तहसील व जिला-मंदसौर उनके हक और हिस्से का स्वत्वः त्याग विधिवत रजिस्टर्ड, स्वत्व त्याग विलेख ई-पंजीकरण क्रमांक एमपी15आईजीआर17852025ए10025 1214, दिनांक-28.04.2025 से मेरे पक्षकार पुष्पाकुंवर पति सूर्यपालसिंह निवासी-ग्राम रानाखेड़ा, तहसील व जिला-मंदसौर के पक्ष में उप पंजी कार्यालय मंदसौर में करवाया गया है। उक्त मकान की चतुर्सीमा व पैमाईश निम्नानुसार है-

पूर्व में-स्वयं की भूमि, पश्चिम में-लक्ष्मीनारायण का मकान, उत्तर में-आम रास्ता, दक्षिण में-रास्ता, पैमाईश रकबा-725 वर्ग मीटर,

उक्त सम्पत्ति पर मेरे पक्षकार द्वारा INDIAN SHELTER FINANCE, CORPORATION LIMITED, Branch Mandsaur **से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है, यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार बोझ आदि उक्त सम्पत्ति पर हो तो इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 07 दिवस के अन्दर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के आपत्ति प्रस्तुत करे, वरना बाद गुजरने, मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी जो सूचित हो।**

भवदीय
राजकुमार गुप्ता, एडवोकेट मन्दसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यि एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in